# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला पेज: 7

स्वयंभू के टीजर में सयु ता के वॉरियर अवतार ने मचाया पेज: 8



वर्ष : 01 | अंक : 311 | शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## लाल किले के पास घूम रहा था फर्जी एनआईए अफसर, हुआ गिरफ्तार

**नई दिल्ली एजेंसी:** पुलिस ने बुधवार को बताया कि जम्मू और कश्मीर के एक व्यक्ति को लाल किले के पास से गिरफ्तार किया गया है, जिसने कथित तौर पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारी होने का नाटक करके दिल्ली में नौकरी दिलाने के बहाने कमजोर युवाओं को ठगा था। यह गिरफ्तारी 18 फरवरी को कोतवाली पुलिस स्टेशन की गश्ती टीम ने की। अधिकारियों ने लाल किले के पीछे, दिल्ली चलो पार्क के पास, संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ी एक काली हुंडई सैंट्रो (पंजीकरण संख्या जेके01 एल9913) देखी। जांच करने पर वाहन के अंदर दो व्यक्ति मिले - जम्मू और कश्मीर के पुलवामा निवासी मुदस्सर और एक नाबालिग लड़का। पूछताछ के दौरान, मुदस्सर ने एक पहचान पत्र प्रस्तुत किया जिसमें उसने खुद को एनआईए अधिकारी बताया था। हालांकि, पहली नजर में ही कार्ड संदिग्ध प्रतीत हुआ।

# वैश्विक एआई पर पीएम मोदी का 3-सूत्रीय मास्टरप्लान, बोले- डेटा संप्रभुता का हो पूरा सम्मान

**नई दिल्ली एजेंसी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया और चेतावनी दी कि "मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन" के बिना यह तकनीक आत्मघाती साबित हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए स्पष्ट मानवीय मूल्यों और दिशा-निर्देशों की नींव आवश्यक है, और कहा कि सार्थक वैश्विक प्रभाव प्राप्त करने के लिए इस तकनीक को मानवीय विश्वास के साथ जोड़ा जाना चाहिए। नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार और मानव-केंद्रित वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्कृष्टता और एआई के नैतिक उपयोग के लिए मेरे तीन सुझाव हैं। पहला, डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई प्रशिक्षण के लिए एक डेटा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। एआई में कहावत है, 'गलत इनपुट से गलत आउटपुट'। यदि डेटा सुरक्षित, संतुलित और विश्वसनीय नहीं है, तो आउटपुट भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, एक वैश्विक विश्वसनीय डेटा ढांचा आवश्यक है। एआई विकास के तकनीकी और कॉर्पोरेट पक्ष की ओर बढ़ते हुए, पीएम मोदी ने ब्लैक बॉक्स एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां सुरक्षा नियमों को देखा और सत्यापित किया जा सके। जवाबदेही स्पष्ट होगी और व्यापार में नैतिक व्यवहार को भी बढ़ावा मिलेगा। एआई सुरक्षा अनुसंधान में एक प्रसिद्ध विचार प्रयोग का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने पेपरक्लिप समस्या के बारे में चेतावनी दी - एक ऐसा परिदृश्य जहां पेपरक्लिप बनाने जैसे संकीर्ण लक्ष्य वाली एआई नैतिक दिशा-निर्देशों के अभाव में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपभोग कर लेती है। उन्होंने आगाह किया, यदि किसी मशीन को केवल पेपरक्लिप बनाने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह ऐसा करना जारी रखेगी, भले ही इसके लिए उसे दुनिया के सभी संसाधनों का उपभोग करना पड़े। ऐसी अनपेक्षित आपदाओं को रोकने के लिए, प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि एआई को अपने मूल प्रोग्रामिंग में स्पष्ट मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन को एकीकृत करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई उत्कृष्टता शून्य में मौजूद नहीं हो सकती। तकनीकी प्रगति को मानवीय नैतिकता के साथ जोड़कर, भारत एक ऐसे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में विश्व का नेतृत्व करना चाहता है जो नवोन्मेषी और सुरक्षित दोनों हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह माना जाता है कि यह शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि हम इतिहास पर नजर डालें, तो हम देखते हैं कि मनुष्यों ने हर व्यवधान को एक नए अवसर में बदल दिया है। आज, हमारे सामने एक बार फिर ऐसा ही अवसर है।

### हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता

**पीएम मोदी ने ब्लैक बॉक्स एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें ब्लैक बॉक्स के बजाय ग्लास बॉक्स दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जहां सुरक्षा नियमों को देखा और सत्यापित किया जा सके।**

## असम में प्रियंका गांधी का चुनावी शंखनाद, हिमंत की चुनौती के बीच बोलीं- मजबूती से लड़ेंगे

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को असम विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के राजनीतिक अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से लोगों से मिलकर सुझाव लेंगी और टिकटों का प्रभावी वितरण सुनिश्चित करेंगी। आज सुबह शहर पहुंची कांग्रेस सांसद ने टिकट वितरण प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चयन समिति के सदस्य राज्य के हर जिले का दौरा कर रहे हैं। गांधी ने पत्रकारों से कहा कि मैं सभी से मिल रही हूं और उनके सुझाव और प्रतिक्रिया ले रही हूं। हम दो दिनों तक यही करेंगे, कोशिश करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिल सकें। प्रियंका ने कहा कि चयन समिति के सदस्य हर जिले में जा रहे हैं। वे प्रतिक्रिया

लेंगे और फिर उसका मूल्यांकन करेंगे। हमारा प्रयास है कि टिकटों का सही वितरण हो और हम मजबूती से चुनाव लड़ें। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन वार्ता के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि देखते हैं आगे क्या होता है। इससे पहले, प्रियंका गांधी और गौरव गोगोई ने गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि मैंने मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया और मंदिर में पूजा करने के बाद मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। इस बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने चुनाव वाले राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर विश्वास जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी की जीत को कोई रोक नहीं सकता। गुवाहाटी में भाजपा की 'बूथ विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य में विकास कार्यों के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की, विशेष रूप से हाल ही में स्वीकृत ब्रह्मपुत्र नदी में गोहपुर और नुमालीगढ़ को जोड़ने वाली जलमग्न सुरंग का उल्लेख किया। उन्होंने इसे असम के लिए एक अमूल्य उपहार बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार हम रिकॉर्ड बनाकर जीतेंगे। प्रधानमंत्री ने असम को वो दिया जो हम चाहते थे। आज प्रधानमंत्री ने हमें ऐसा राजमार्ग दिया है जिस पर विमान उतर सकते हैं। कल केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोहपुर और नुमालीगढ़ को जोड़ने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में पानी के नीचे सुरंग बनाने के लिए 18,000 करोड़ रुपये आवंटित किए।

## जलवायु परिवर्तन पर मंत्री शिवराज सिंह की चेतावनी, बोले- सरकार के साथ समाज भी उठाए धरती बचाने की जिम्मेदारी

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को जलवायु परिवर्तन को विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कदम उठा रही है, लेकिन इस धरती को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी जनता की भी है। मीडिया से बात करते हुए चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज विश्व के सामने सबसे बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। विश्व के कई देशों ने पहले ही यह संकल्प लिया है कि जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए कदम उठाने होंगे। सरकार इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर देश के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित किए हैं। मंत्री ने आगे इस बात पर जोर दिया कि भावी

पीढ़ियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार और समाज दोनों की है, और कहा, "यह सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है - भावी पीढ़ियों के लिए इस धरती को सुरक्षित रखना समाज का भी कर्तव्य है।" इस बीच, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जलवायु कार्रवाई पर खर्च छह साल पहले सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.7 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 5.6 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 14 फरवरी को जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित 'अस्थिरता की डिग्रीः गर्म होती दुनिया में जलवायु सुरक्षा' टाउनहॉल में बोलते हुए ये आंकड़े साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत केवल अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा नहीं कर रहा है, बल्कि पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से अपने संसाधनों का निवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए कई पहलें भी शुरू की हैं, जैसे मिशन मौसम, मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर। 14 जनवरी को उन्होंने पोंगल से संबंधित एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करना "सर्वोच्च आवश्यकताओं" में से एक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी की रक्षा करना, जल संरक्षण करना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से एक है। मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर जैसी पहलें इसी भावना को आगे बढ़ा रही हैं।

## असम चुनाव से पहले भाजपा का हुंकार, नितिन नबीन बोले- कांग्रेस को जड़ से उखाड़ देंगे

**नई दिल्ली एजेंसी:** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को असम को कांग्रेस-मुक्त बनाने के पार्टी के संकल्प को दोहराते हुए कार्यकताओं से आगामी चुनावों से पहले जमीनी स्तर पर प्रयास तेज करने का आग्रह किया। बूथ समिति की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से असम के विकास में पूर्ण सहयोग देने का आह्वान किया। नबीन ने यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और ऊपरी असम क्षेत्र की सभी 26 सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हमें असम के विकास में पूर्ण सहयोग देना होगा। हमें हर बूथ पर पूरी ताकत और समर्पण के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि हमें 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। मुझे विश्वास है कि भाजपा डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और ऊपरी असम क्षेत्र की सभी 26 सीटों पर जीत हासिल

करेगी। हमें असम को कांग्रेस-मुक्त बनाना है। एएनआई से बात करते हुए नबीन ने असम में शुरू की गई विकास पहलों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम के लोगों को विभिन्न विकास योजनाओं से प्रभावी ढंग से जोड़ा गया है। उन्होंने एएनआई को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जिस तरह से यहां के लोगों को विकास योजनाओं से जोड़ा है, उससे विरासत के साथ विकास का संकल्प साकार हुआ है। आज मुझे यहां की सांस्कृतिक विरासत को देखने का अवसर भी मिला। नबीन ने आगे कहा कि असम पूरी तरह सुरक्षित है और एक विकसित राज्य बनने की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं स्वीकार करता हूं कि असम पूरी तरह सुरक्षित होते हुए भी विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

## रामकृष्ण के नाम में 'स्वामी' पर बवाल, ममता बनर्जी बोलीं- पीएम मोदी सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील हैं

**बंगाल एजेंसी:** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर संत रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर उनके नाम के कथित दुरुपयोग को लेकर तीखा प्रहार किया। फेसबुक पर एक पोस्ट के माध्यम से बनर्जी ने प्रधानमंत्री को 'सांस्कृतिक रूप से असंवेदनशील' बताया। एक बार फिर स्तब्ध! हमारे प्रधानमंत्री ने एक बार फिर बंगाल की महान हस्तियों के प्रति अपनी सांस्कृतिक असंवेदनशीलता का आक्रामक प्रदर्शन किया है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा आज युगावतार (हमारे युग में ईश्वर का अवतार) श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव की जन्मतिथि है। इस अवसर पर महान संत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, हमारे प्रधानमंत्री ने उनके नाम के आगे अभूतपूर्व और अनुचित उपसर्ग 'स्वामी' जोड़ दिया है। गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के प्रसिद्ध संत रामकृष्ण की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने ट्वीट में नरेंद्र मोदी ने रामकृष्ण को संबोधित करने से पहले स्वामी शब्द का प्रयोग किया, जिसकी ममता बनर्जी के साथ-साथ तृणमूल के कई प्रमुख नेताओं, जिनमें पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष भी शामिल हैं, ने आलोचना की। पश्चिम बंगाल में रामकृष्ण परमहंस को 'ठाकुर' या 'श्री रामकृष्ण' के नाम से जाना जाता है और तृणमूल के कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया। प्रेस से बात करते हुए कुणाल घोष ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ठाकुर श्री रामकृष्ण परमहंस देव की जयंती पर एक पोस्ट किया। आम तौर पर स्वामी शब्द का प्रयोग पूजा या गुरुदेव से संबंधित मामलों में किया जाता है। श्री रामकृष्ण देव के मामले में, इसका प्रयोग उस समानार्थक अर्थ में नहीं किया जाता है।

## तेलंगाना फतह के बाद दिल्ली में कांग्रेस का मंथन, सीएम रेवंत रेड्डी के साथ खरगे-राहुल ने बनाई रणनीति

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे। तेलंगाना कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट किया कि दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर एआईसीसी अध्यक्ष खर्गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने तेलंगाना के प्रमुख नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर द्वारा हाल ही में संपन्न तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी के 64 नगरपालिकाओं पर नियंत्रण हासिल करने की घोषणा के बाद हुई है। तेलंगाना में 11 फरवरी को सात नगर निगमों और 116 नगरपालिकाओं में

चुनाव हुए, जिनमें कोथागुडेम, करीमनगर, महबूबनगर, मंचरियाल, निजामाबाद, नालगोंडा और रामागुंडम के नगर निगमों के 414 वार्ड और 116 नगरपालिकाओं के 2,582 वार्ड शामिल थे। शनिवार को राहुल गांधी ने तेलंगाना की जनता को हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह जनादेश "सामाजिक न्याय, गरिमा और समावेशी विकास पर आधारित जनहितकारी नीतियों" का प्रतिबिंब है। उन्होंने राज्य के सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को धन्यवाद दिया, जिन्होंने चुनाव में पार्टी की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की। गांधी ने पर पोस्ट किया कि तेलंगाना नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस की जीत सामाजिक न्याय, गरिमा और समावेशी विकास पर आधारित जनहितकारी नीतियों का स्पष्ट प्रमाण है। कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता को हार्दिक धन्यवाद। यह जीत आपकी और तेलंगाना की जनता की है। प्रजला तेलंगाना का हमारा सपना, जहाँ प्रगति हर परिवार तक पहुँचे, अटल है। इसी बीच, टैगोर ने भी तेलंगाना नगर निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन का स्वागत करते हुए कहा कि परिणाम स्पष्ट जनादेश और कांग्रेस की वास्तविक वापसी का संकेत देते हैं।

# विकसित भारत की ओर बड़ा कदम, अमित शाह असम में लॉन्च करेंगे वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का दूसरा चरण

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को असम में जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीपी-द्वितीय) के दूसरे चरण का शुभारंभ करने जा रहे हैं, जो भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 20 फरवरी को कछार जिले के नाथनपुर गांव में किया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, वीवीपी-द्वितीय को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जिसके लिए वित्त वर्ष 2028-29 तक 6,839 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह योजना 15 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के सीमावर्ती गांवों को कवर करेगी, जो रणनीतिक रूप से संवेदनशील और अक्सर दूरस्थ क्षेत्रों में समावेशी विकास पर सरकार के जोर को दर्शाती है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि वीवीपी-द्वितीय को एक व्यापक पहल के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर स्थित गांवों का संतृप्ति-आधारित विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य आवश्यक बुनियादी ढांचे में सुधार करना, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सड़क संपर्क और दूरसंचार जैसी बुनियादी

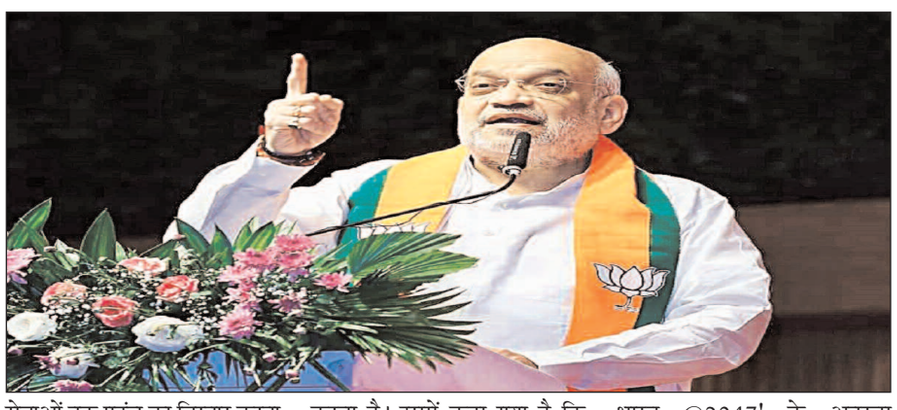

सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करना और स्थानीय निवासियों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करना है। इसमें कहा गया है कि इसका मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण 'विकसित भारत @2047' के अनुरूप सुरक्षित, लचीले और समृद्ध सीमावर्ती समुदायों का निर्माण करना है। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी-द्वक्क) का दूसरा चरण वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के पहले चरण की नींव पर आधारित है, जो मुख्य रूप से उत्तरी सीमावर्ती गांवों पर केंद्रित था। दूसरे चरण में इसका दायरा अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है, जिनमें पूर्वोत्तर के क्षेत्र भी शामिल हैं, जहां कनेक्टिविटी की चुनौतियां और विकास संबंधी कमियां ऐतिहासिक रूप से विकास में बाधा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह योजना समन्वय-आधारित दृष्टिकोण अपनाती है, जिसमें विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को एक साथ लाया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचे। बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करके और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर, इस पहल का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों से पलायन को रोकना और स्थानीय आबादी को अपने मूल क्षेत्रों में बसे रहने के लिए प्रोत्साहित करना है। विकास के अलावा, इस कार्यक्रम का एक रणनीतिक आयाम भी है। मजबूत और घनी आबादी वाले सीमावर्ती गांवों से राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। निवासी सतर्क हितधारक के रूप में कार्य कर सकते हैं, राष्ट्र की आंखें और कान बनकर सीमा पार अपराधों, अवैध घुसपैठ और अन्य सुरक्षा खतरों को रोकने में सहायता कर सकते हैं।

**केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-वक्कका शुभारंभ करेंगे, जिसका उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में विकास और सुरक्षा को मजबूत करना है। ड्ड6,839 करोड़ के बजट वाली यह योजना 15 राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार, पलायन रोकने और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने पर**

# संपादकीय

## अपराध की मंशा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द करना, जिसमें ह्यबलात्कार के प्रयासह्न की परिभाषा बदल दी गई थी, केवल एक कानूनी सुधार मात्र नहीं है, बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह न्यायिक संवेदनशीलता और गंभीर मामलों मे न्यायिक दृष्टि की स्पष्टता की पुनः पुष्टि भी है। सर्वोच्च अदालत ने पॉक्सो एक्ट के साथ ही धारा 376 आईपीसी के तहत आरोप बहाल करके, इस बात पर भी बल दिया कि अपराध के इरादे को, प्रत्यक्ष कृत्य के साथ कमतर नहीं माना जा सकता है। दरअसल, हाईकोर्ट ने इस बाबत जो टिप्पणी की थी, उसको लेकर तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, जिसे किसी सभ्य समाज की मान्यताओं के प्रतिकूल माना गया था। दरअसल, हाई कोर्ट ने माना था कि एक नाबालिग के उरोज पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी ढीली करना और उसे घसीटकर ले जाने का प्रयास दुराचार की तैयारी थी, न कि बलात्कार का प्रयास, क्योंकि इसमें अपराध की दिशा में कोई सीधा कदम नहीं उठाया गया था। स्वाभाविक रूप से इस तरह की संकीर्ण व्याख्या के खिलाफ समाज में प्रतिक्रिया होनी ही थी। कहीं न कहीं इस तंग व्याख्या से अपराधी के जघन्य इरादे और प्रयास की अवधारणा को कमजोर करने का जोखिम भी था। निस्संदेह, इस तरह की व्याख्या से महिलाओं का उत्पीड़न करने वाले अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद ही होते। जाहिर है इस तरह की सोच कोई सभ्य समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता है। यह सुखद ही है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इस संकीर्ण व्याख्या वाले मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए सार्थक हस्तक्षेप किया है। दरअसल, आपराधिक कानून में, प्रयास तब माना जाता है, जब किसी अपराध की तैयारी उस कृत्य को अंजाम देने में बदल जाती है। जो कि इच्छित अपराध के निकट होती है। इस मामले में आरोप- शारीरिक छेड़छाड़, निर्वस्त्र करने और जबरन घसीटना, यदि सिद्ध हो जाते हैं, तो स्पष्ट रूप से यौन उत्पीड़न की ओर एक सुनियोजित कदम की पुष्टि कर देते हैं। जिसे केवल पीड़िता के करुण क्रंदन सुनने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के हस्तक्षेप से ही रोका गया।

निस्संदेह, इसके विपरीत मानना यौन हिंसा की वास्तविकताओं और नाबालिगों की असुरक्षा को अनदेखा करना ही होगा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह फैसला आरोपों की गंभीरता की पुष्टि करता है। ताकि पूर्व सुनवाई में साक्ष्यों की उचित संदर्भ में जांच की जा सके। ऐसे वक्त में जब देश की कई अदालतों के लैंगिक न्याय के प्रति दृष्टिकोण की कड़ी आलोचना हो रही थी, यह निर्णय इस बात की पुष्टि करता है कि कानूनी तर्क को संवैधानिक मूल्यों को बनाये भी रखना चाहिए। निर्विवाद रूप से, जिनका उद्देश्य किसी सभ्य समाज में नागरिकों को आसन्न खतरे से भी बचाना ही होता है। बहरहाल, इस प्रकरण में यह सार्थक हस्तक्षेप इस बात की पुष्टि भी करता है कि कानून बच्चों को न केवल अपराधियों द्वारा अंजाम दिए जा चुके अपराधों से बल्कि भविष्य में आसन्न अपराधों से भी बचाता है। इस प्रकरण के बाद कहा जा सकता है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल न्यायिक जवाबदेही में संतुलन स्थापित किया, बल्कि आखिरकार आम लोगों के विश्वास को भी बहाल किया है।

# चिंतन-मनन

## सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, 'पिताजी! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली' बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, 'यह कहां से आई?' पिता ने कहा, 'मेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए' पिता का एक मित्र बोला, 'क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा।' पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, 'तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया'। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, 'पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी' यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**

# चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है।

इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया।

चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके।

लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती।

भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं।

भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती।

भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्कता, आत्मनिर्भरता और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयार रहे।

# एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ , 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई।

गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है।

दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ?

निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दशार्ता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है।

इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है जहां धन, सत्ता के बल पर और जवाबदेही की कमी से ऐसी संस्कृति पनपती है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह वैश्विक अपराध नेटवर्क का हिस्सा है, जहां महिलाओं और लड़कियों का वस्तुकरण नस्लवाद और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। हालांकि, FBI की जांच में ट्रैफिकिंग रिंग के लिए पर्याप्त सबूत भले ही नहीं मिले परन्तु पीड़ितों की गवाहियां बताती हैं कि यह शोषण अत्यंत व्यापक था। ये फाइल्स यह भी दिखाती है कि सत्ता के शीर्ष पर मिसोगिनी (स्त्री-द्वेष) और यौन हिंसा कैसे सामान्यीकृत हो जाती है। यह एक ऐसी विकृत पुरुष प्रधान व्यवस्था का प्रतिबिंब भी है जहां पीड़ितों को न्याय मिलना मुश्किल रहता है। एप्सटीन फाइल्स ऐसे ही शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत को उजागर करती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम 'समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना' हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है।

मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है।

समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। 'संतुष्टिकरण' बनाम 'तुष्टिकरण' की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है।

आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है।

सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अन्यथा विकास की गाड़ी कुछ लोगों को आगे ले जाएगी और शेष को पीछे छोड़ देगी। समावेशन का सशक्तिकरण इसी असंतुलन को रोकने का प्रयास है। प्रतिदिन कोई न कोई कारण महंगाई को बढ़ाकर हम सबको और धक्का लगा जाता है और कोई न कोई टैक्स, अधिभार हमारी आय को और संकुचित कर जाता है। जानलेवा प्रदूषण ने लोगों की सांसों को बाधित कर दिया, लेकिन हम किसी सम्यक समाधान की बजाय नये नियम एवं कानून थोप कर जीवन को अधिक जटिल बना रहे हैं। सामाजिक न्याय व्यवस्था तभी सार्थक है जब आम जनता निष्कंटक एवं समस्यामुक्त समानता का जीवन जी सके। 2026 का यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि न्याय और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग सामाजिक न्याय से होकर ही गुजरता है। यदि समाज का अंतिम व्यक्ति भी सम्मान, सुरक्षा और अवसर के साथ जीवन जी सके, तभी हम कह सकेंगे कि हमने सामाजिक न्याय के आदर्श को साकार किया है। इस तरह सामाजिक न्याय केवल नीति का प्रश्न नहीं, बल्कि चेतना का प्रश्न है। यह हमारे विचारों, व्यवहार और निर्णयों में परिलक्षित होना चाहिए। जब नागरिक और शासन दोनों मिलकर समानता, गरिमा और अवसर की संस्कृति का निर्माण करेंगे, तभी विश्व सामाजिक न्याय दिवस मनाने की वास्तविक सार्थकता सिद्ध होगी। समावेश को सशक्त बनाकर और असमानताओं की खाई को पाटकर ही हम एक ऐसे समाज की रचना कर सकते हैं जो अधिक न्यायपूर्ण, अधिक मानवीय और अधिक स्थायी हो।

# 'हमारा आंगन-हमारे बच्चे' उत्सव का आयोजन, प्री-प्राइमरी शिक्षा के सुदृढ़ीकरण पर जोर

**रहरा/अमरोहा (सब का सपना):-** शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और छोटे बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से गुरुवार को विकास खंड रहरा के सभागार में 'हमारा आंगन-हमारे बच्चे' उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विकास खंड के विभिन्न को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकत्रियों और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के तहत प्री-प्राइमरी शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी, राजेंद्र सिंह खड़गवंशी उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी नींव को मजबूत करने में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, "प्री-प्राइमरी स्तर पर दी जाने वाली शिक्षा ही बच्चे के व्यक्तित्व का निर्माण करती है। यदि हम शुरूआती दौर में बच्चों को सही मार्गदर्शन और स्नेहपूर्ण वातावरण प्रदान करेंगे, तो वे आगे चलकर एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर बच्चे तक पहुंचे।" शिक्षा अधिकारी के विचार खण्ड शिक्षा अधिकारी (इएड) गंगेश्वरी, अनिल कुमार ने तकनीकी और शैक्षणिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'हमारा आंगन-हमारे बच्चे' कार्यक्रम शासन की एक महत्वाकांक्षी योजना है। यह कार्यक्रम प्री-प्राइमरी शिक्षा के ढांचे को प्रभावी बनाने के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने शिक्षकों और कार्यकत्रियों को निर्देश देते हुए कहा कि खेल-खेल में शिक्षा (Playway Method) के माध्यम से बच्चों को स्कूल के प्रति आकर्षित करें ताकि ड्रॉपआउट दर को कम किया जा सके और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (FLN) के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। गोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच बेहतर तालमेल होना अनिवार्य है। एआरपी संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि किस प्रकार टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) का उपयोग कर छोटे बच्चों की सीखने की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में मौजूद विशेष शिक्षकों ने दिव्यांग बच्चों की पहचान और उन्हें मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने की रणनीतियों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक एवं पूर्व एआरपी विकास राहुल ने किया। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ गंगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सुपरवाइजर नीतू, जिला महामंत्री एससी-एसटी शिक्षक संघ जगवीर सिंह, विशेष शिक्षक दिवाकर शर्मा, वरिष्ठ संकुल शिक्षक जयवीर सिंह, बिजेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, हरिओम सिंह, संजय सिंह, राहुल कुमार, जयपाल सिंह, फैजान हस्मत, आभा त्यागी, संगीता त्यागी, सुदेश, राजकुमारी सहित भारी संख्या में शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

## मंडी धनौरा की इर्तिका का राज्य स्तरीय कबड्डी में चयन होने पर कमिश्नर ने किया सम्मानित

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के गांव मिलक अख्तियारपुर निवासी इर्तिका दानिश मलिक का राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन होने पर गांव एवं परिवार में खुशी का माहौल व्याप्त है, इस प्रतियोगिता में चयन होने के लिए इर्तिका को कमिश्नर द्वारा सम्मानित भी किया गया है। बता दें कि 13 वर्षीय इर्तिका उच्च प्राथमिक विद्यालय अख्तियारपुर भूड़ में कक्षा आठ की छात्रा है। उसकी इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और गांव में खुशी का माहौल है।इर्तिका को बचपन से ही खेलों में रुचि रही है।उसने स्कूल स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इसके बाद ब्लॉक और जिला स्तरीय मुकाबलों में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। हाल ही में आयोजित चयन ट्रायल में उसने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाई। प्रशिक्षकों के अनुसार, उसकी फुर्ती, सटीक पकड़ और दबाव में संयम बनाए रखने की क्षमता उसे एक मजबूत खिलाड़ी बनाती है।इर्तिका की इस उपलब्धि पर मंडल स्तरीय कार्यक्रम में कमिश्नर ने उसे सम्मानित किया। उन्होंने इर्तिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण अंचल की बेटियां भी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियां हासिल कर रही हैं, जो अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।इर्तिका के पिता दानिश मलिक ने बताया कि वह पढ़ाई और खेल दोनों में संतुलन बनाए रखती है। वह प्रतिदिन नियमित अभ्यास करती है और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने जानकारी दी कि छात्राओं को खेलों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जा रहा है।इर्तिका की सफलता से क्षेत्र की अन्य छात्राओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि वह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अमरोहा का नाम रोशन करेगी।

## धनौरा में सिपाही पति व परिवार पर विवाहिता को डीजल डालकर जलाने का आरोप,दस पर केस दर्ज

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के धनौरा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पुलिस में कार्यरत एक सिपाही और उसके परिजनों पर विवाहिता को डीजल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास और दहेज उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगा है। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर थाना मंडी धनौरा पुलिस ने पति सहित ससुराल पक्ष के 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि ग्राम सुनगढ़ माफी निवासी किरन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पहचान फेसबुक के जरिए बबलू कुमार (निवासी आजमपुर) से हुई थी। बबलू वर्तमान में यूपी पुलिस की 8वीं वाहिनी पीएसी, बरेली में तैनात है। किरन के अनुसार, बबलू ने शादी का झांसा देकर तीन साल तक उसका शारीरिक शोषण किया। दबाव बनाने पर बबलू पहले मुकर गया, लेकिन पुलिस में शिकायत के बाद 5 जनवरी 2026 को दोनों की हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई।शादी के कुछ समय बाद ही पति बबलू, सास संतोष, जेठ सत्येंद्र, जेठानी सोनम और ननद-नन्दोइयों ने दहेज में एक बुलेरो कार और 5 लाख रुपये नकद की मांग शुरू कर दी। ससुराल पक्ष का आरोप था कि किरन ने लड़के की 17 लाख रुपये में तय हो रही शादी खराब कर दी। मांग पूरी न होने पर किरन को बुरी तरह पीटा गया और घर से निकाल दिया गया।घटना 18 जनवरी की शाम की है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी उसके मायके में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि पति और अन्य पुरुषों ने उसे जमीन पर गिरा दिया, जबकि महिलाओं (सास, जेठानी और ननद) ने उस पर डीजल डालकर आग लगाने का प्रयास किया।

शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने किरन की जान बचाई। जाते समय आरोपी पीड़िता की भाभी का मोबाइल भी छीन ले गए।मंडी धनौरा थाने के एसएसआई सतीश कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आरोपियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

## त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0 द्वारा होगा वृहद् पुनरीक्षण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) निधि गुप्ता वत्स जी ने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र०, लखनऊ की संशोधित अधिसूचना के द्वारा दिये गये निदेशों के कम में इस कार्यालय की सार्वजनिक संशोधित अधिसूचना को संशोधित करते हुए जनपद अमरोहा में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग उ०प्र० द्वारा निम्नांकित विनिर्दिष्ट समय सारिणी के अनुसार वृहद् पुनरीक्षण किया जायेगा। दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत हस्तलिखित पांण्डुलिपियाँ तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करना एवं सम्भावित डुप्लीकेट मतदातओं के सत्यापन / निस्तारण की कार्यवाही की अवधि 07 जनवरी से 16 मार्च तक, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पूरक सूचियों की 21 फरवरी से कम्प्यूट्रीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थान 16 मार्च, 2026 तक समाहित करने एवं यथावश्यक मतदान केन्द्रों / स्थलों के निर्धारण की कार्यवाही दिनांक 21 फरवरी से 16 मार्च तक और मतदाता सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र / स्थलों का कमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता कमांकन रश्ठ आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग फोटो प्रतियों कराना आदि का दिनांक 17 मार्च, 2026 से 13 अप्रैल, 2026 तक और निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन 15 अप्रैल, 2026 को किया जायेगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जायेगा। निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्य पूर्ण कराया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ाई जायेगी।

## एसआईआर के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक

**अमरोहा (सब का सपना):-** विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) के संबंध में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट, अमरोहा में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया कि सम्प्रति विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के अन्तर्गत 06 मार्च तक दावे और आपत्तियों से संबंधित फार्म-6, 6ए, 7, 8 प्राप्त किये जायेंगे। वहीं 06 जनवरी से 27 मार्च तक नोटिस चरण में गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे और आपत्तियों का निस्तारण संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा किया जाएगा तथा जनपद में निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल को किया जाएगा। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हों या उससे पूर्व ही पूर्ण कर चुके हों तथा भारतीय नागरिक हों एवं उत्तर प्रदेश के सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र में सामान्यतः निवास कर रहे हों, तो वे फार्म-6 (प्रथम बार आवेदन कर रहे नए मतदाताओं के पंजीकरण हेतु) घोषणा-पत्र सहित भर सकते हैं। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से समस्त अर्ह नागरिकों से फार्म-6 भरवाने की अपील की गयी। बैठक में सभी राजनैतिक दलों को अवगत कराया गया कि प्राप्त हो रहे दावे और आपत्तियों से संबंधित सूचियों यथा फार्म-9, 10, 11, 11ए व 11 बी को जनसामान्य के अवलोकन हेतु जनपद की वेबसाईट पर प्रतिदिन अपलोड किया जा रहा है। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने एवं संशोधन इत्यादि के लिये भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाईट https://voters.eci.gov.in पर अपने Mobile No. द्वारा ऑनलाईन माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है तथा आवेदन फार्म डाउनलोड भी किया जा सकता है। साथ ही आयोग के ऐप ECINET अस्त्रस्त्र डाउनलोड कर ऑनलाईन सभी प्रकार के फार्म भरे जा सकते हैं। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, प्रतिनिधि भाजपा हिमांशु त्यागी, प्रतिनिधि समाजवादी पार्टी ऋषिपाल सिंह यादव, प्रतिनिधि कांग्रेस फैज आलम राईनी, प्रतिनिधि बसपा जफर महमूद अब्बासी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## विधायक राजीव तरारा ने क्षेत्र में विकास को लेकर सदन में उठाए कई मुद्दे

### गजरौला में ट्रामा सेंटर व तिगरी धाम में पक्के घाट को लेकर की विशेष चर्चा

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा विधानसभा के भाजपा विधायक राजीव तरारा ने सदन में खड़े होकर क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। जिनमें विशेष रूप से उन्होंने गजरौला में ट्रॉमा सेंटर बनवाने और तिगरी गंगा धाम में घाटों को पक्का करवाने की मांग पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 में अमरोहा की धनौरा विधानसभा के विधायक राजीव तरारा ने प्रदेश के बजट का समर्थन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को धन्यवाद देते हुए बजट को जनहितैषी बताया। साथ ही, विधायक ने अपने क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विकास मांगों को सदन में प्रस्तुत किया।विधायक तरारा ने धनौरा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। इनमें शेरपुर से दडवड ठेठ तक लगभग 4.5 किमी और शेरपुर से चकनवाला तक लगभग 9 किमी तटबंध निर्माण के लिए धन आवंटन और स्वीकृति की मांग शामिल है। इन तटबंधों से बाढ़ के समय किसानों और ग्रामीणों को राहत मिलेगी।स्वास्थ्य क्षेत्र में, उन्होंने गजरौला में ट्रॉमा सेंटर और जनपद अमरोहा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की मांग की। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एम्स (AIIMS) की स्थापना का मुद्दा भी उठाया गया। शिक्षा के लिए, धनौरा ब्लॉक में एक राजकीय महाविद्यालय स्थापित करने की मांग की गई।धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, तिगरी धाम में गंगा तट पर पक्के घाटों के निर्माण की मांग की गई, जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आते हैं। तहसील धनौरा में अधिवक्ताओं के लिए पक्के चेंबर बनाने की मांग भी सदन में रखी गई।गन्ना किसानों की सुविधा के लिए क्षेत्र में बाईपास मार्ग के निर्माण की मांग की गई, जिससे उन्हें अपनी उपज चीनी मिल तक ले जाने में आसानी हो। बछरायूं नगर में संकरे मार्गों की समस्या के समाधान हेतु भी बाईपास निर्माण की मांग उठाई गई।मछली पालन क्षेत्र जाजरू गांव में तालाबों में डाले जा रहे अपशिष्ट और सड़े मांस पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई, ताकि स्थानीय निवासियों को राहत मिल सके।विधायक राजीव तरारा ने सदन को यह भी बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 2017 से अब तक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए हैं। इनमें विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण, गंगा एक्सप्रेस-वे परियोजना, कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक जैसी पहलें शामिल हैं।

## डीएम के निर्देश पर बिना प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र संचालित ईंट-भटठों पर टीम द्वारा की गई कार्यवाही

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर प्रदूषण विभाग, राजस्व विभाग, खनन विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन विभाग द्वारा तहसील व जनपद अमरोहा में (1) मै० सुपर गोल्ड ब्रिक वर्क्स ग्राम सिरसा खुम्भार तहसील व जनपद अमरोहा (2) वर्तमान नाम आदिल ईंट उद्योग सिरसा खुम्मार पूर्व नाम (मैसर्स लक्ष्मी ईट उद्योग) तहसील व अमरोहा द्वारा बिना प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र ईंट-भटठों का संचालित किये जाने पर उक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गयी है। साथ ही भविष्य में संचालित किये जाने पर कठोर चेतावनी दी गयी है। उक्त के अतिरिक्त जनपद में बिना प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र व बिना विनियमन शुल्क जमा के संचालित पाये जाने पर अन्य

## जिलाधिकारी ने किया तहसील अमरोहा का वार्षिक निरीक्षण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तहसील अमरोहा का वार्षिक निरीक्षण किया। न्यायालय तहसीलदार, न्यायालय नायब तहसीलदार न्यायालय उपजिलाधिकारी न्यायिक, न्यायालय उपजिलाधिकारी, संग्रह अनुभाग, नजारत अनुभाग, कार्यालय राजस्व निरीक्षक का विस्तृत निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उन्होंने न्यायालय तहसीलदार का निरीक्षण किया। धाराओं में लंबित प्रकरण और सही से मॉनिटरिंग न करने पर पेशकार एसडीएम अनिरुद्ध कुमार द्वारा वादों में देरी पर स्पष्टीकरण जारी करने के साथ तब तक वेतन आहरित न करने के निर्देश दिए जब तक गुणवत्तापरक निस्तारण न हो। उन्होंने पेशकार को निर्देश दिए की एक फाइल का एक ही नंबर होना चाहिए और लंबित प्रकरण का निस्तारण समय सीमा के अंतर्गत होना चाहिए और उन्होंने कहा कि पेशकार के जो कार्य हैं वह अपने कार्य और दायित्व को ठीक से निभाएं। इसी तरह तहसीलदार के पेशकार द्वारा अद्यनीकृत फिक्स न करने के संबंध में वेतन रोकने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी महोदय ने राजस्व निरीक्षक (कार्यालय कार्य) श्री महाराणा प्रताप के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। संग्रह अनुभाग में अमीनवार आरसी वसूली की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व वादों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा एवं दायरे के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता देकर शीघ्र निपटारा किया जाए। उन्होंने सर्विस बुक अपूर्ण होने पर 15 मार्च तक सभी सर्विस बुक अपडेट करने के निर्देश दिए और कहा कि प्रत्येक सर्विस बुक पर फैमिली फोटो अवश्य लगी हो और 15 मार्च तक सर्विस बुक पर सभी कार्य पूरे कर उसकी सूचना अवश्य उपलब्ध कराए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे, डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता, तहसीलदार विजय श्याम, सहित संबंधित उपस्थित रहे।

# अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं से मचा हड़कंप, एक की मौत कई घायल

## सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल संभल किया गया रेफर

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद संभल और आगरा - मुरादाबाद मार्ग पर बुधवार देर रात और गुरुवार को हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल संभल रेफर किया गया है। बुधवार आधी रात को सन्नी कुमार (32) पुत्र भूरी सिंह निवासी खजरा कंचन थाना खंदौली जिला आगरा आयशर कैंटर चलाकर जा रहे थे। बताया गया कि मानकपुर तिराहे पर उनका वाहन एक खड़े ट्रक में जा घुसा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर उप निरीक्षक सदाकत अली थाना धनारी द्वारा उन्हें मृत अवस्था में सीएचसी बहजोई लाया गया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया गया। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। दूसरी घटना में डालचंद उर्फ भूरे (35) पुत्र दुर्गा प्रसाद निवासी नाधौस ये बैटा चौराहा पेट्रोल पंप के पास हादसे का शिकार हो गए। वह अपने गांव से रेता लेकर बैलगाड़ी से आ रहे थे, तभी एक स्विफ्ट कार ने टक्कर मार दी। घायल अवस्था में 112 पुलिस एम्बुलेंस द्वारा उन्हें सीएचसी बहजोई लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गुरुवार सुबह जिला अस्पताल संभल रेफर किया गया। तीसरी घटना में विपिन (30) पुत्र मनोज कुमार और अभिषेक (25) पुत्र अनिल, दोनों निवासी गढ़ा थाना धनारी, अपने गांव से मोटरसाइकिल द्वारा बहजोई आ रहे थे। भागनगर के पास उनकी बाइक की टक्कर एक 108 एम्बुलेंस से सीएचसी बहजोई लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल संभल रेफर किया गया। इसी क्रम में करीब आधे घंटे बाद दूसरी एम्बुलेंस से जितनेश (22) पुत्र राकेश निवासी गढ़ा थाना धनारी और रामपाल पुत्र धुननी निवासी मधावली थाना केलादेवी ऑटो से हो गई। दोनों घायलों को सीएचसी लाया गया। बताया गया कि जितनेश बाइक पर सवार था, जबकि रामपाल टेंपो में सवार थे। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल संभल भेजा गया। पुलिस ने सभी मामलों की जांच शुरू कर दी है। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है।

# पुलिस लाइन बहजोई में गरिमामय विदाई समारोह आयोजित

## अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने स्मृति चिन्ह भेंट कर दी शुभकामनाएं

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में गुरुवार को एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कृष्ण कुमार, पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल, ने की। यह कार्यक्रम अनुकृति शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल, के गैर जनपद स्थानांतरण के अवसर पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने अनुकृति शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट कार्यकाल की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य और नए दायित्वों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में उपस्थित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी उनके कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए भावभीनी विदाई दी। वक्ताओं ने कहा कि अनुकृति शर्मा का सरल व्यवहार, दृढ़ निर्णय क्षमता और टीम भावना सदैव प्रेरणास्रोत रहेगी। कार्यक्रम के अंत में जनपद पुलिस परिवार की ओर से उनके सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त की गईं। समारोह का वातावरण आत्मीयता और सम्मान से परिपूर्ण रहा।

# जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** कलक्ट्रेट परिसर बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।
बैठक के अन्तर्गत पूर्व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के बिन्दुओं पर क्या अनुपालन हुआ उस पर चर्चा की गयी। सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति के विषय में जानकारी प्राप्त की जिलाधिकारी ने कहा कि सोमवार से रविवार तक आयुष्मान की प्रगति में बढ़ोतरी लाई जाए उन्होंने कहा कि आशा आंगनबाड़ी एवं पंचायत सहायकों को लगाकर आयुष्मान कार्ड की प्रगति में बढ़ोतरी की जाए। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफआरयू,तथा एचएमआईएस पोर्टल पर एएनसी जांच, प्रसव तथा टीकाकरण, आरसीएच फीडिंग, सीएचओ द्वारा ई संजीवनी ओपीडी की स्थिति पर विकास खण्ड वार पर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव का डेटा एएनएम वार निकाला जाए। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर चर्चा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त एमओआईसी को निर्देशित करते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर इस योजना पर कार्य करें तथा सीएचओ तथा एएनएम को प्रेरित करें। आभा आईडी को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव को लेकर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि डिलीवरी प्वाइंट को बढाना सुनिश्चित करें। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एनटीईपी,ई संजीवनी कोल्ड चेन, पर भी चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने कहा की आशाओं को किट वितरण की जाए जिससे वह अपना काम समय से कर सकें आईसीडीएस की प्रगति खराब होने को लेकर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की तथा जिन सीडीपीओ की प्रगति खराब पाई गई उनको कड़ी चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। गुमसानी एवं मछरिया के पीएचसी को लेकर जिलाधिकारी ने जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि अगली बैठक में पीएचसी निर्माण एजेंसी को बुलाया जाए और उन्होंने कहा कि पीएचसी का परीक्षण लोक निर्माण विभाग से कराया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन आशाओं की प्रगति खराब है उनके खिलाफ कार्रवाई संज्ञान लाई जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन एएनएम एवं सीएचओ की प्रगति खराब है उन्हें स्पष्टीकरण जारी किया जाए एवं 7 दिन बाद स्पष्टीकरण सहित अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा की एएनएम असमोली ग्राम रतुपुरा की प्रगति खराब है उसे निकालने के करवाई सुनिश्चित की जाए विकासखंड जुनावई के ग्राम गणेशपुर होलिकाबाद से आशा की प्रगति खराब होने पर आशा को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वीएचएसएनडी सत्र को लेकर मुख्य विकास अधिकारी ने जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज बिश्नोई ने शत प्रतिशत टीकाकरण कराने को लेकर संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेंद्र सैनी,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई, समस्त एमओआईसी एवं संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

# ई-रिक्शा चालकों के लिए विशेष जागरूकता अभियान, दिलाई गई सड़क सुरक्षा की शपथ

**चंदौसी/संभल(सब का सपना):-** जनपद में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में चंदौसी क्षेत्र में यातायात पुलिस द्वारा संचालित किया गया।
अभियान के दौरान ई-रिक्शा चालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे हाईवे पर ई-रिक्शा का संचालन न करें, ओवरलोडिंग से बचें तथा ई-रिक्शा के माध्यम से माल ढुलाई न करें। अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन न केवल दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे आमजन की सुरक्षा भी गंभीर रूप से प्रभावित होती है। यातायात पुलिस ने चालकों को निर्धारित मार्गों का उपयोग करने, ट्रैफिक संकेतों का पालन करने और वाहन चलाते समय पूर्ण सावधानी बरतने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्हें बताया गया कि नियमों का पालन करने से दुर्घटनाओं में कमी आएगी और शहर में जाम की समस्या भी नियंत्रित होगी। कार्यक्रम के अंत में सभी ई-रिक्शा चालकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई और सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। पुलिस प्रशासन ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलाने की बात कही है।

# यादव समाज ने आगामी फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन

**बहजोई/संभल (सब का सपना):-** जिले के बहजोई स्थित कलेक्टरेट परिसर में गुरुवार को पूर्व विधायक और भाजपा नेता अजीत कुमार राजू यादव के नेतृत्व में हुआ। प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के नाम और कथानक पर गहरी आपत्ति जताई। उनका आरोप है कि फिल्म यादव समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकती है। राजू यादव ने कहा कि फिल्म में यादव समाज को गलत तरीके से दिखाया गया है, जिससे समाज की छवि खराब होती है। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने फिल्म को रिलीज होने से नहीं रोका, तो यादव समाज बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू सहित सैकड़ों की संख्या में यादव समाज के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन समाज में फिल्म को लेकर भारी नाराजगी है। यह फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली है। संभल सहित यूपी के अन्य जिलों में भी यादव समाज और राजनीतिक दलों द्वारा विरोध हो रहा है। पुलिस ने फिल्म के निमार्ता, निर्देशक और मुख्य कलाकारों के खिलाफ FIR दर्ज की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म सामाजिक सद्भाव बिगाड़ सकती है। यह मामला हाल ही में 'घूसखोर पंडत' फिल्म विवाद के बाद एक और समुदाय-आधारित विरोध का उदाहरण बन गया है, जहां जातीय भावनाओं और फिल्म की स्वतंत्रता के बीच टकराव देखने को मिल रहा है।

# ऑपरेशन मुस्कान के तहत तीन वर्षीय गुमशुदा बच्चा सकुशल बरामद

## पुलिस की तत्परता से विवाह समारोह से लापता मासूम परिजनों को सौंपा गया

**ऐचौड़ाकम्बोह/संभल(सब का सपना):-** जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक गुमशुदा 3 वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी असमौली कुलदीप कुमार के नेतृत्व में की गई। गुरुवार को ग्राम श्यौपुरी में विकास पुत्र गजराज निवासी ग्राम श्यौपुरी थाना ऐचौड़ा कम्बोह, जनपद सम्भल के यहां विवाह समारोह आयोजित था। समारोह में अशोक कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह निवासी ग्राम खेड़ा चौगावा थाना जानसठ जनपद मुजफ्फरनगर अपने परिवार के साथ शामिल होने आए थे। इसी दौरान उनका 3 वर्षीय पोता प्रशांत पुत्र आकाश अचानक लापता हो गया। बच्चे के गुम होने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने आसपास के मोहल्लों व क्षेत्रों में सघन तलाश और पूछताछ की। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। बरामद मासूम प्रशांत को उसके दादा अशोक कुमार, ताऊ पिंटू पुत्र अशोक तथा माता आरती पत्नी आकाश के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। जनपद पुलिस द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन मुस्कान गुमशुदा बच्चों की तलाश और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

# खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई 110 किलो रंगीन कचरी जब्त, कई नमूने जांच को भेजे गए

**चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):-** आगामी होली पर्व के मद्देनजर खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के आदेश तथा जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार जनपद में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम लगातार छापेमारी और निरीक्षण अभियान चला रही है। इसी क्रम में गुरुवार को प्रवर्तन दल ने चंदौसी क्षेत्र के विभिन्न प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। गोपाल मोहल्ला, चंदौसी स्थित मै0 दीपक कचरी स्टोर पर निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ रंगीन कचरी का नमूना लिया गया। प्रथम दृष्टया कचरी में अत्यधिक कृत्रिम रंग का प्रयोग पाए जाने की आशंका पर विभागीय टीम ने मौके से लगभग 110 किलोग्राम रंगीन कचरी जब्त कर ली। जब्त माल को सुरक्षित रखकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। फड़िंयाई बाजार, चंदौसी स्थित गणेश स्टोर से सरसों के तेल का नमूना संग्रहित किया गया। गौशाला रोड, चंदौसी स्थित जीआर फैमिली मार्केट से बेसन और मैदा के नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूनों को विधिवत सील कर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों के मद्देनजर विभाग द्वारा यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराए जा सकें।

# यातायात नियम तोड़ने वालों पर एमवी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में यातायात प्रभारी के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के अंतर्गत विधिक कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग तथा अन्य नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के चालान काटे गए। इसके साथ ही जनपद के प्रमुख चौराहों एवं बाजार क्षेत्रों में संचालित ई-रिक्शाओं की जोनवार कोडिंग एवं नंबरिंग की गई। पुलिस अधिकारियों ने चालकों को सख्त निर्देश दिए कि वे निर्धारित रूट एवं यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें, जिससे शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो और आमजन को सुगम आवागमन मिल सके। जनपद पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। पुलिस द्वारा भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर चलाए जाने की बात कही गई है।

# बहजोई में सीबीआरसेटी का जागरूकता पखवाड़ा संपन्न

## सहायता समूह की महिलाओं सहित 70 युवाओं को मिल रहा निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण, स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के बहजोई क्षेत्र स्थित सीबीआरसेटी द्वारा जागरूकता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 40 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं एवं प्रशिक्षुओं ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह एक सुनियोजित पहल है, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को बैंक लिंकेज, वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर युवा ही क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला हैं। इस अवसर पर प्रो. विकास मार्केटिंग सिस्टम नरोरा के सुशील कुमार शर्मा एवं योग गुरु भी उपस्थित रहे। सुशील कुमार शर्मा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए स्वरोजगार अपनाने का आह्वान किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने युवाओं को स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए नियमित योग अभ्यास की सलाह दी। निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि संस्थान केवल परिसर तक सीमित नहीं है, बल्कि जनसहयोग से केंद्र के बाहर भी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। अब तक यहां से 1800 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न पाठ्यक्रम पूर्ण कर चुके हैं, जिनमें से कई ने अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया है, जबकि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षुओं की सफलता ही संस्थान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान में संस्थान में दो बैच संचालित हो रहे हैं, जिनमें मत्स्य पालन और डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) के माध्यम से कुल 70 युवाओं को निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए विनीत तिवारी ने बताया कि आगामी बैचों में ब्यूटी पार्लर, महिला सिलाई, मोबाइल रिपेयरिंग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग एवं राजमिस्त्री जैसे कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे।
उन्होंने बताया कि 15 फरवरी से पार्लर एवं सिलाई प्रशिक्षण के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान कार्यालय, रोटरी क्लब भवन, निकट सिल्वर स्टोन स्कूल, संभल रोड, बहजोई पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त 05921-297253 एवं 8808222447 मोबाइल नंबर पर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

# बहादुरपुर की सड़क पर कीचड़ और जल भराव की समस्या से ग्रामीण परेशान

## ग्रामीणों ने गंदे पानी में खड़े होकर किया प्रदर्शन

**स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):-** शहर से लेकर गांव तक जहां हर तरफ विकास की बात हो रही है तो वहीं बुढनपुर ब्लॉक मे ऐसा गांव भी है,जहां लोगों को जल भराव और गंदगी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं गांव में बच्चों को स्कूल जाने में भी दिक्कत हो रही है। तो वहीं बुजुर्ग भी पानी में गिरकर घायल हो जाते हैं। वही गांव वालों ने जब अपनी समस्या अधिकारियों को बताई तो किसी ने कोई सुनवाई नहीं की, अधिकारियों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने गंदे पानी में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करते हुए गंदे पानी से निजात दिलाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वह आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेंगे। इस मौके पर बीना देवी, क्रांति देवी, शारदा देवी ,चंद्रावती देवी, नन्ही ,कुसुम देवी ,बेबी ,सरोज, हरि सिंह, अनूप ,अनिल कुमार, पुष्पराज सिंह, रघुवीर सिंह, चरन सिंह आदि लोग मौजूद रहे। बहादरपुर गांव में जलभराव और गंदगी की समस्या का अंबार है. जिससे लोगों को काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ रहा है. गांव के पुष्पा सिंह ने बताया कि गांव में जलभराव की समस्या रहती है,सड़क में गड्ढे हैं और नालियों का निर्माण नहीं हुआ. घरों से निकलने वाला पानी सड़क में भर जाता है ।जिससे काफी दिक्कत होती है। अनिल कुमार ने कहा कि उनके गांव में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है, सड़कों पर पानी भरा रहता है। जिससे लोगों को निकलने में काफी दिक्कतें होती है। स्कूल के बच्चे भी गंदगी से होकर गुजरते हैं, वहीं गांव में कई तरह की बीमारियां भी फैल रही हैं. गांव के ही रहने वाले पप्पू बाल्मीकि ने कहा कि गांव में कोई विकास कार्य ढंग से नहीं कराया जा रहा है। गांव मे दो सरकारी स्कूल भी है जहां रास्ते में पानी भर जाता है और स्कूल जाने वाले बच्चे गंदे पानी से होकर निकलते हैं, इससे बीमारियां फैलने का भी खतरा रहता है। इसको लेकर उन्होने कई बार अधिकारीयो से शिकायत भी की। लेकिन अधिकारियों ने सिर्फ आश्वासन दिया और कोई कार्य नहीं हुआ. वहीं दूसरी तरफ गांव के प्रधान संदीप चौधरी ने कहा कि गांव में धीरे-धीरे विकास कार्य किया जा रहे हैं। जितना बजट मिल पा रहा है उतना ही कार्य हो रहा है अभी गांव में कुछ जगहों पर नालियों और सड़कों की समस्याएं हैं, जिन्हें जल्द ही ठीक कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि गांव में आधे से ज्यादा मोहल्ले में विकास कार्य हो चुका है और बहुत जल्द ही जहां लोग समस्याएं बता रहे हैं वहां सड़क और नालियों का निर्माण कराया जाएगा।

# चांदपुर में विवाहिता की संदिग्ध मौत, ससुराल पक्ष फरार

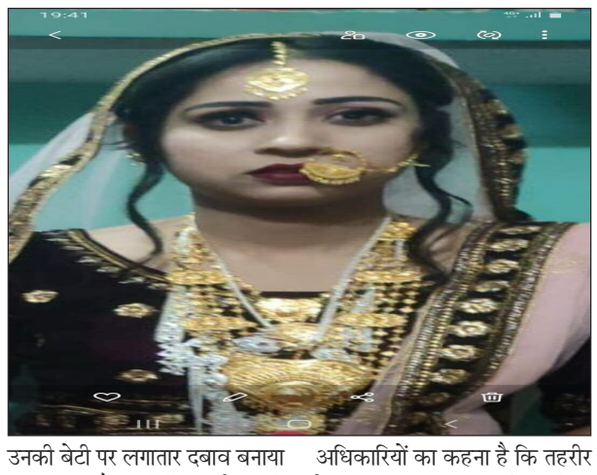

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र से दहेज उत्पीड़न का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लालच में हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार अमरोहा जनपद के गांव जमना खास निवासी यास्मीन का विवाह लगभग तीन वर्ष पूर्व चांदपुर क्षेत्र के गांव अंकोंधा निवासी फहीम के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। शुरूआती दिनों में सब कुछ सामान्य बताया जाता है, लेकिन आरोप है कि बाद में ससुराल पक्ष की ओर से दहेज की मांग को लेकर यास्मीन को प्रताड़ित किया जाने लगा। मायके वालों का कहना है कि उनकी बेटी पर लगातार दबाव बनाया जाता था और अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। बुधवार को यास्मीन की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजन मौके पर पहुंचे, जहां उसका शव घर के अंदर मिला। परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों ने योजनाबद्ध तरीके से उसकी हत्या की और फिर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस का दावा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना ने एक बार फिर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

# तमंचे की बट से हमला कर युवक को किया लहूलुहान, तीन पर मुकदमा

**शिवाला कला/ बिजनौर (सब का सपना):-** शिवाला कला थाना क्षेत्र के गांव सरकथल में पुरानी कहासुनी को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक युवक पर तमंचे की बट से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सत्यवीर सिंह के बड़े भाई के पुत्र विनीत और संटू के बीच विवाद हो रहा था। जब सत्यवीर का पुत्र लक्की बीच-बचाव करने पहुंचा, तो आरोपी संटू और प्रशांत ने उस पर तमंचे की बट से हमला कर दिया। वार इतना जोरदार था कि लक्की लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपियों ने उसके घर में घुसकर परिजनों को जान से मारने की धमकी दी। गंभीर रूप से घायल लक्की को नूरपुर अस्पताल से बिजनौर रेफर किया गया है।
पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

# आयुष्मान कार्ड बनाने में लाएं तेजी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा

**स्योहारा/बिजनौर(सब का सपना):-** उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र विश्वकर्मा ने बुधवार देर शाम शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा में समीक्षा बैठक की। उन्होंने कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और उनके विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
डॉ. विश्वकर्मा ने बताया कि स्योहारा ब्लॉक में कुल 82,248 के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 50,532 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जबकि 31,716 कार्ड अभी भी शेष हैं। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को निर्देशित किया कि आगामी अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान आशा कार्यकताओं को मोहल्लेवार सूची उपलब्ध कराते हुए उन्हें पुनः प्रशिक्षित भी किया गया। योजना की पात्रता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अंत्योदय राशन कार्ड धारक, लेबर कार्ड धारक, मान्यता प्राप्त रजिस्टर्ड पत्रकार, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकताओं के साथ-साथ 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड प्राथमिकता पर बनाए जाएं। लाभार्थी स्वयं भी आयुष्मान ऐप या सरकारी वेबसाइट के माध्यम से अपना पंजीकरण कर सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी सिसोदिया, शालिनी बिश्नोई, आलोक कुमार और शिवम चौहान सहित समस्त विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. विश्वकर्मा ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

# शराब पीकर लौटा, फिर बिगड़ी तबीयत, हुई मौत

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के नजीबाबाद थाना क्षेत्र के साहनपुर में शराब सेवन के बाद एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार साहनपुर पेट्रोल पंप के पास रहने वाले प्रभात पुत्र छोटेलाल की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद मौत हो गई। मृतक मूल रूप से ग्राम उमरपुर मीरा, थाना कोतवाली शहर बिजनौर का निवासी था और अपनी पत्नी कल्पना के साथ साहनपुर में रह रहा था। मृतक के भाई राकेश कुमार ने थाना प्रभारी राहुल कुमार को दी तहरीर में आरोप लगाया कि पारिवारिक क्लेश के बीच प्रभात की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है और बिना परिवार को सूचना दिए अंतिम संस्कार का प्रयास किया गया। उनका कहना है कि जब उन्हें जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे और चिता की आग बुझाकर पुलिस को सूचना दी। मृतक की पत्नी कल्पना, जो स्वास्थ्य विभाग में आशा कार्यकर्ता हैं, उसका कहना है कि प्रभात बुधवार शाम करीब 6:30 बजे शराब पीकर घर पहुंचे और तबीयत खराब होने की बात कही। उन्हें नजीबाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर बिजनौर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।
पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे। मामले में सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

# शादी से ठीक पहले बिजली कनेक्शन काटा गया, दूल्हा पक्ष की मेहमानों के सामने हुई बेइज्जती

## नूरपुर बिजली विभाग की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

**नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** डायमंड सिटी कॉलोनी, नूरपुर से दूल्हा शुभम चौहान की बारात नजीबाबाद के लिए प्रस्थान करने वाली थी। घर में विवाह की खुशियाँ चरम पर थीं, मेहमान एकत्रित थे और बारात की तैयारियाँ अंतिम चरण में थीं। इसी बीच बिजली विभाग की लापरवाह कार्रवाई ने पूरे कार्यक्रम को शर्मिंदगी में बदल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नूरपुर बिजली विभाग का एक लाइनमैन अचानक खंभे पर चढ़ गया और बिना किसी पूर्व सूचना के दूल्हे के घर का बिजली कनेक्शन काट दिया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब घर में महिलाएँ, रिश्तेदार और दूर-दराज से आए मेहमान मौजूद थे। अचानक बिजली गुल होने से शादी की व्यवस्थाएँ अस्त-व्यस्त हो गईं और मेहमानों के सामने दूल्हा पक्ष को अपमानजनक स्थिति का सामना करना पड़ा।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि किसी प्रकार का बिजली बिल बकाया या तकनीकी समस्या थी, तो विभाग को नियमों के तहत पूर्व सूचना देकर मानवीय तरीके से कार्रवाई करनी चाहिए थी। शादी जैसे पवित्र और सामाजिक अवसर पर इस तरह की कार्रवाई को लोगों ने पूरी तरह असंवेदनशील और गैर-जिम्मेदाराना बताया है।पीड़ित परिवार का आरोप है कि बिजली विभाग के कर्मचारी ने न तो परिस्थिति की गंभीरता को समझा और न ही मानवीय दृष्टिकोण अपनाया, जिससे दूल्हा शुभम चौहान की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुँची। घटना के बाद कॉलोनी में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष देखा गया।पीड़ित परिवार एवं स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराई जाए दोषी कर्मचारी के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए ।दूल्हा और उसके परिवार को न्याय व सम्मान दिलाया जाए। यह घटना बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है और यह स्पष्ट करती है कि प्रशासनिक लापरवाही आम नागरिकों की खुशियों को किस तरह अपमान में बदल सकती है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते हैं।

# गन्ना डालने जा रहे किसान पर हमला, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के नरेना थाना क्षेत्र के गांव पुरैना अब्दुल रहमानपुर में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शुगर मिल जा रहे एक किसान पर आधा दर्जन लोगों ने हमला कर दिया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी ब्रजपाल सिंह, जो रिटायर्ड फौजी होने के साथ किसान भी हैं, बुधवार को चांगीपुर स्थित शुगर मिल में गन्ना डालने जा रहे थे। बताया जाता है कि नहर के पास पहुंचते ही गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि सूचना 112 के जरिए प्राप्त हुई है। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

# नगीना काष्ठ कला: करोड़ों के अनुदान का 'खेल', उपेक्षित कारीगरों का बुरा हाल

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** अपनी बेजोड़ लकड़ी की नक्काशी के लिए दुनिया भर में मशहूर ऐतिहासिक नगर नगीना का काष्ठ कला उद्योग आज भ्रष्टाचार और भेदभाव की भेंट चढ़ रहा है। कभी 400 से अधिक इकाइयों और हजारों कारीगरों के दम पर करोड़ों की विदेशी मुद्रा अर्जित करने वाला यह कारोबार अब चंद रसूखदार व्यापारियों की जागीर बनकर रह गया है। आरोप है कि पिछले 60 वर्षों में भारत सरकार द्वारा कारीगरों के कौशल विकास और ट्रेनिंग सेंटर के नाम पर दी गई लगभग 500 करोड़ रुपये की सहायता का लाभ पात्र मजदूरों तक नहीं पहुंचा। बड़े व्यापारियों ने इस सरकारी धनराशि का उपयोग निजी कारखाने स्थापित करने और अपनी तिजोरियां भरने में किया, जिसका कोई हिसाब आज तक सार्वजनिक नहीं हुआ। सरकारी अनदेखी के साथ-साथ नगर में बढ़ती सांप्रदायिक विषमता भी एक कड़वा सच बन गई है। काष्ठ कला उद्योग पर एक विशेष वर्ग का वर्चस्व होने के कारण शिक्षित और अशिक्षित हिंदू युवा इस हुनर को सीखने और रोजगार पाने से वंचित हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण नगीना की 'घास मंडी' में सुबह के समय देखा जा सकता है, जहाँ विवश युवा राजमिस्त्रियों के साथ दिहाड़ी मजदूरी के इंतजार में खड़े मिलते हैं। विडंबना यह है कि जिस कला ने नगीना को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई, वही अब स्थानीय युवाओं के लिए 'रोजी-रोटी' का संकट पैदा कर रही है। भ्रष्टाचार के खिलाफ समय-समय पर आवाज भी उठाई गई, लेकिन रसूख के आगे शिकायतों की फाइलें दबकर रह गईं। आबिद नामक व्यापारी द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजी गई जांच की मांग आज तक रद्दी की टोकरी में पड़ी है। वहीं, कुछ मीडियाकर्मी अपने निजी स्वार्थ के चलते जमीनी हकीकत के बजाय फर्जी गाथाओं को महिमामंडित करने में जुटे हैं। यदि केंद्र और प्रदेश सरकार निष्पक्ष सर्वे कराकर पिछले 500 करोड़ रुपये का लेखा-जोखा तलब करे, तो उन चेहरों से नकाब उतर जाएगा जो गरीबों के हक का पैसा डकार कर ऐश कर रहे हैं।

# किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़,फिर भी झेल रहा विषमता: नरेश चौधरी रा.अध्यक्ष भाकियू (सं.मोर्चा)

## हम भी चौधरी चरणसिंह को मानने वाले लोग हैं,न्याय दिलाने तक जारी रहेगा धरना

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, फिर भी विषमता झेल रहा है। पश्चिमी यूपी का किसान देश को ताकत देता है, लेकिन हिस्से का विकास कहां गया?जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन किसान नहीं झुकेंगे। प्रशासन की आम जनता से पकड़ दूर होती जा रही है, फैसले कहीं और होते हैं, असर यहां झेलते हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासन की अनदेखी से आक्रोश बढ़ रहा है,हम भी चौधरी चरणसिंह को मानने वाले लोग हैं, न्याय दिलाने तक धरना जारी रहेगा।"भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने आगे कहा कि अमरोहा जिले के गजरौला क्षेत्र में रासायनिक कारखानों से निकलने वाले जहरीले अपशिष्ट ने भूजल को गंभीर रूप से दूषित कर दिया है। नाईपुरा, शहबाजपुर डोर समेत आसपास के गांवों में कैंसर जैसी घातक बीमारियां, त्वचा रोग, पेट संबंधी समस्याएं और फसलें बर्बाद होने की शिकायतें तेज हो गई हैं। पिछले दो महीनों से किसान धूप-बरसात, ठंड और कोहरे की परवाह न करते हुए नेशनल हाईवे-09 किनारे शहबाजपुर डोर में पिछले दो माह से बेमियादी धरना दे रहे हैं।चौधरी ने कहा, "दूषित जल केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संकट है। रासायनिक फैक्ट्रियां मुनाफे के लिए पर्यावरण का नाश कर रही हैं, जबकि प्रशासन और सरकार चुप्पी साधे हुए हैं। लेकिन हम भी चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को मानने वाले लोग हैं,गलत का डटकर विरोध करेंगे।प्रदेशाध्यक्ष रामकृष्ण चौहान तथा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रभारी एवं मंडलाध्यक्ष एहसान अली ने कहा, "बड़े नेता और मंत्री सिर्फ बातें करते हैं, लेकिन जमीन पर कुछ नहीं होता। गांव गांव प्रचार और सच्ची लड़ाई से ही समस्या हल होगी। अल्पसंख्यक समुदाय कैमिकल युक्त पानी के इस जहर से पीड़ित है, स्वास्थ्य- शिक्षा- रोजगार की मांगों के साथ अलग राज्य की पुकार भी बेबुनियाद नहीं। सिस्टम में भावनात्मक समझदारी की कमी है, बाजार भावनाओं से भले ही नहीं चलता हो,लेकिन इंसानियत और संवेदनशीलता जरुरी है।"किसानों का आरोप है कि विकास के नाम पर सिंडिकेट ने मिलकर नाईपुरा इलाके को बलि का बकरा बना दिया है। एमपी एमएलए समेत तमाम नेताओं के बयानों पर भी अब भरोसा टूट रहा है। किसान अब सिर्फ आश्वासन नहीं, ठोस कार्रवाई और गारंटी चाहते हैं। धरना अब 60 दिनों से अधिक चल चुका है, और यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा।इस मौके पर बगद नदी के आसपास के गांवों से धरने पर पहुंचे किसानों के अलावा मुख्य रूप से होमपाल सिंह, विजय सिंह, पृथ्वी सिंह, अनमोल सिंह अंकुर सिंह,आशु चौहान, मंसूर अली, ओम प्रकाश सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

## डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में खसरा टीकाकरण अभियान

**चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):-** नगर के ग्राम पथरा स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में गुरुवार को कक्षा एक से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों के लिए खसरे से बचाव हेतु विशेष टीकाकरण अभियान चलाया गया। टीकाकरण कार्य एएनएम पुष्पा देवी द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान आशा कार्यकर्ता रेखा तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्री पुष्पा ने सहयोग प्रदान किया। बच्चों को आवश्यक दवा भी वितरित की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने सभी बच्चों के नाम एवं आवश्यक विवरण विधिवत अंकित किए, जिससे टीकाकरण का अभिलेख सुरक्षित रखा जा सके। विद्यालय संचालक महानंदन गौतम एवं समस्त स्टाफ का भी अभियान को सफल बनाने में सराहनीय सहयोग रहा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के टीकाकरण अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि बच्चों को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखा जा सके।

## दिल्ली में 40,000 पुरानी स्ट्रीट लाइट्स की जगह लगेंगी नई एलईडी, होगी करोड़ों रुपये की बचत

**नई दिल्ली।** लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सड़कों पर लगीं 40,000 पुरानी स्ट्रीट लाइट बदलने की तैयारी में है। पीडब्ल्यूडी ने इसे लेकर एक प्रस्ताव वित्तीय मंजूरी के लिए दिल्ली सरकार के पास भेजा है। विभाग ने पिछले साल सितंबर में पुरानी सोडियम (एचपीएसवी) स्ट्रीट लाइट को आधुनिक स्मार्ट एलईडी से बदलने की योजना की घोषणा की थी। परियोजना व्यय को वित्तीय स्वीकृति के लिए अगली व्यय और वित्त समिति (ईएंडएफसी) की बैठक में रखा जाएगा। जिसमें इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की संभावना है। बिजली की खपत होगी कम इसके बाद निविदा आमंत्रण एवं एजेंसी के चयन की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान में पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 96,000 स्ट्रीट लाइट का प्रबंधन किया जाता है, जिनमें से 40,000 अब भी पारंपरिक एचपीएसवी फिटिंग पर चलती हैं। अब इन्हें व्यवस्थित रूप से ऊर्जा-कुशल स्मार्ट एलईडी लाइट से बदला जाएगा, जिससे बेहतर रोशनी, बिजली की खपत में कमी और लंबी आयु सुनिश्चित होगी। व्यय और वित्त संबंधी बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है, जिसमें मंत्रिमंडल के सदस्य और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल होते हैं। सालाना 31.53 करोड़ रुपये की होगी बचत प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार केवल एचपीएसवी फिटिंग से स्मार्ट एलईडी में बदलने से ही दिल्ली सरकार को बिजली और रखरखाव लागत में सालाना लगभग 31.53 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। वर्तमान में पीडब्ल्यूडी बिजली बिलों और स्ट्रीटलाइट के रखरखाव पर प्रतिवर्ष लगभग 90 करोड़ रुपये खर्च करता है।

## दिल्ली-एनसीआर में इस लापरवाही के लिए कौन है जिम्मेदार? एफओबी और सबवे की बदहाली पैदल यात्रियों के लिए खतरा

**नई दिल्ली।** दिल्ली सहित एनसीआर में सड़क पार करने के लिए बनाए गए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) और सबवे आम नागरिकों की सुरक्षा के उद्देश्य से निर्मित किए गए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि इनका अपेक्षित उपयोग नहीं होता। कारण कई एफओबी पर लगी लिफ्ट और एस्केलेटर लंबे समय से खराब पड़े रहते हैं। कई स्थानों पर या तो पटरी वाले दुकानें लगा लेते हैं या फिर नशेड़ी और भिखारी इसे अपने आश्रय के रूप में इस्तेमाल करते हैं। साथ ही इनका इस्तेमाल न होने की मुख्य वजह यह भी है कि लोगों में इनके प्रयोग को लेकर जागरूकता नहीं है और उन्हें ट्रैफिक के बीच सड़क पार करने से रोकने के लिए कोई प्रबंध नहीं हैं। इसके लिए न ही पैदल चलने वालों पर किसी तरह के दंड की व्यवस्था है और न ही उन्हें रोकने का कोई अन्य उपाय है। ऐसे में यही सवाल उठता है कि आखिर पैदल चलने वाले फुट ओवर ब्रिज या भूमिगत पैदल पार पथ के जरिये ही सड़क या चौराहा पार करें, ये सुनिश्चित क्यों नहीं कराया जाता? इसके लिए कौन है जिम्मेदार? साथ ही इस क्षेत्र में जहां फुट ओवरब्रिज या पैदल पार पथ बने हैं, वहां पैदल चलने वाले वाहनों के बीच से होकर सड़क पार न करें, इसके लिए क्या किए जाने चाहिए ठोस उपाय? इसी की पड़ताल हमारा आज का मुद्दा है

## सांसद महुआ मोइत्रा ने खटखटाया हाई कोर्ट का दरवाजा, अदालत ने एक्स बॉयफ्रेंड को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मोइत्रा साकेत कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंची हैं, जिसमें उन्हें हेनरी नाम के पालतू रॉटवाइलर कुत्ते की अंतरिम कस्टडी देने से मना कर दिया गया था। बता दें कि हेनरी की हर महीने 10 दिनों की अंतरिम कस्टडी के लिए मोइत्रा की अर्जी को साकेत कोर्ट ने 10 नवंबर, 2025 को खारिज कर दिया था। वहीं, जस्टिस मनोज कुमार ओहरी ने गुरुवार को मोइत्रा के एक्स-बॉयफ्रेंड एडवोकेट जय अनंत देहाद्राई को नोटिस जारी किया और अर्जी पर उनका जवाब मांगा। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

# हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिले में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निदेशों के अनुसार पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं बुनियादी शिक्षा के उद्देश्यों को हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से जन समुदाय के समक्ष पूर्व प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व को दृष्टिगत रखते हुए विकास खंड जोया का एक कार्यक्रम जोया में आयोजित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी जोया भारत भूषण त्यागी ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। हमारा आंगन हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी जोया लोकचंद आनंद मुख्य अतिथि रहे तथा जिला समन्वयक समेकित शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रशांत गुप्ता व जिला समन्वयक निर्माण सतवीर सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। खंड विकास अधिकारी लोकचंद आनंद ने हमारे आंगन हमारे बच्चे कार्यक्रम के माध्यम से बुनियादी शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति व जागरूकता हेतु सार्थक प्रयासों की सराहना की। तथा निपुण बच्चों को प्रशस्ति पत्र व स्टेशनरी किट देकर सम्मानित किया। जिला

समन्वयक प्रशांत गुप्ता ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षक /शिक्षिकाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्री प्राइमरी शिक्षा के महत्व एवं आवश्यकता को विस्तार पूर्वक बताया। तथा इसके लिए सभी से जनमानस को जागरूक करने की अपील की। एआरपी भूपेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पूर्व प्राथमिक शिक्षा एवं बुनियादी शिक्षा के उद्देश्य को विस्तारपूर्वक बताया। एआरपी पूनम माहेश्वरी ने समुदाय एवं अभिभावकों की पूर्व प्राथमिक शिक्षा में भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एआरपी रश्मि चौधरी ने किया। रश्मि चौधरी ने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं विभाग व सरकार द्वारा पूर्व प्राथमिक शिक्षा व बुनियादी शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु किए जा रहे प्रयासों को उपस्थित व्यक्तियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से को- लोकेटेड आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, एआरपी धर्मेंद्र सिंह, एसआरजी अनिल वर्मा पूर्व एसआरजी हेमा तिवारी , अनीस अहमद, मुर्सल हुसैन, पुरजीत सिंह, राकेश चहल, जमशेद शरीफ, हरजीत सिंह दिवाकर, अजय बामल, प्रदीप कुमार गौतम, विजय सिंह, मृणालिनी सिंह, अपूर्वी चौधरी, देशराज सिंह, चेतन सिंह, मेघराज सिंह, हर्षित सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

## एसआईएम कार्ड स्कैम केस में राहत, राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीनू विद्याधरन को दी 5 लाख बॉन्ड पर जमानत

**नई दिल्ली।** राउज एवेन्यू एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने SIM कार्ड स्कैम और साइबर फ्रॉड से जुड़े करप्शन केस में आरोपी बीनू विद्याधरन को जमानत दे दी है। बीनू विद्याधरन वोडाफोन आइडिया में एरिया सेल्स मैनेजर थे। कोर्ट ने कहा कि मौजूद रिकॉर्ड के आधार पर, आरोपी का रोल लापरवाही तक ही सीमित लगता है, जिसमें क्रिमिनल साज़िश का कोई साफ एलिमेंट नहीं है। उस पर लगभग 21,000 गैर-कानूनी SIM कार्ड का इस्तेमाल करके फि शिंग स्कीम में हिस्सा लेने का आरोप है। केस डायरी और फैक्ट्स पर गौर करते हुए, कोर्ट ने पाया कि आरोपी का मोबाइल फोन पहले से ही उइकके कब्जे में है और जरूरी पूछताछ की जा चुकी है। एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट ज्योति माहेश्वरी ने सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि जमानत का मकसद आरोपी की ट्रायल में मौजूदगी पक्का करना है, न कि उसे सजा देना। कोर्ट ने 5 लाख रुपये के पर्सनल बॉन्ड और सख्त शर्तों पर जमानत दी। यह मामला लॉर्ड महावीर सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (LMSIPL) द्वारा बड़ी संख्या में मोबाइल SIM कार्ड खरीदने और उनके गलत इस्तेमाल से जुड़ा है। जांच एजेंसी के मुताबिक, 2024-25 में हजारों SIM कार्ड जारी किए गए और उनका इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में किया गया। आरोप है कि कुछ कॉल में, सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (TRI) और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों के अधिकारी बनकर लोगों को ठगा गया। CBI ने तर्क दिया कि बीनू ने KYC प्रोसेस के लिए आधार कार्ड डिटेल्स दीं और एंड-यूजर्स के लिए इंतजाम किया। एजेंसी ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी मांगी, यह कहते हुए कि अगर आरोपी को रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी का नाम FIR में नहीं है, उसने जांच में सहयोग किया है, और उससे कोई और रिकवरी पेंडिंग नहीं है।

## 'निजता और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है कानून', डेटा संरक्षण एक्ट पर दिल्ली एचसी ने केंद्र से मांगा जवाब

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने केंद्र को नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में तय की है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने चंद्रेश जैन द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिका में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 (डीपीडीपीए) की कई धाराएं 17, 18, 19, 20, 21, 23, 29, 30, 36, 37, 39, 40 और 44 को असंवैधानिक बताते हुए रद करने या सीमित अर्थ में पढ़े जाने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कानून और इसके नियम कार्यपालिका को व्यक्तिगत डेटा तक बिना पर्याप्त नियंत्रण पहुंच प्रदान करते हैं। इसमें बिना सुनवाई के ब्लॉक करने की शक्ति, सार्थक सहमति का अभाव, अपारदर्शी छूट, सूचना के अधिकार कानून को कमजोर करना, और कार्यपालिका के नियंत्रण में डेटा संरक्षण बोर्ड व अपीलीय अधिकरण जैसी व्यवस्थाओं पर आपत्ति जताई गई है। याचिकाकर्ता का दावा है कि ये प्रावधान मानवाधिकारों की न्यायशास्त्रीय अवधारणा, संविधान प्रदत्त स्वतंत्रताओं और एक स्वतंत्र समाज की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता के मूल ढांचे को प्रभावित करते हैं। याचिका में कहा गया है कि यह कानून व्यापक सरकारी निगरानी, व्यक्तिगत व व्यावहारिक डेटा के दीर्घकालिक भंडारण और बिना पारदर्शिता के डेटा प्राप्त करने के तंत्र को सक्षम बनाता है। याचिका के अनुसार, संबंधित प्रावधान समानता, निजता, सूचनात्मक स्वायत्तता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रक्रिया की निष्पक्षता जैसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि अधिनियम अधिकार-सुरक्षात्मक निजता ढांचा तैयार करने में विफल है और संविधान के अनुरूप बनाने के लिए इन प्रावधानों को निरस्त किया जाना चाहिए।

## बूंदाबांदी से बदला दिल्ली-एनसीआर का मौसम, 10 डिग्री तक गिरा पारा; फिर बारिश के आसार

**नई दिल्ली।** दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ का असर बुधवार को देखने को मिला। ऐसे में तड़के सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई और मौसम खुशनुमा हो गया है। सुबह से ही बादलों ने आसमान में डेरा जमाया था। तेज हवाओं ने ठंडक बढ़ा दी। ऐसे में लोगों को सर्दी का अहसास हुआ। हालांकि, सुबह के समय दफ्तर जाते समय लोग अपने आप को भीगने से बचाते हुए दिखाई दिए। बीते 24 घंटे में दिन के तापमान में लगभग 10 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले 2 घंटों के दौरान दिल्ली के नरेला, बावाना और एनसीआर के गाजियाबाद, दादरी, ग्रेटर नोएडा, बल्लभगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश और हल्की गरज, बिजली गिरने की संभावना जताई है। साथ ही 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने के आसार जताए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में बीते 24 घंटे में 0.3 एमएम बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा, बुधवार सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे तक सफदरजंग मानक केंद्र में 1.2 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई। इस दौरान अधिकतम तापमान 30.9 और न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 92 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 66 प्रतिशत रही। मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 15.5, आया नगर में 15.2, लोधी रोड में 15.8 और पालम में 15.6 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, बृहस्पतिवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। दिल्ली में 19 से लेकर 22 फरवरी तक न्यूनतम तापमान 12 से 14 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है। 23 फरवरी से इसमें और बढ़ोतरी देखी जाएगी। 23 फरवरी को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जा सकता है। 32 डिग्री तक जा सकता है अधिकतम तापमान मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 24 फरवरी को न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 20 और 21 फरवरी को दिल्ली में अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान जताया है। दिल्ली में 22 फरवरी को अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जाएगा। 23 और 24 फरवरी को अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके अलावा, 22 से लेकर 24 फरवरी तक आंशिक रूप से छिटपुट बादलों की आवाजाही नजर आने का अनुमान जताया है। अगले 48 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है। इसके बाद के 5 दिनों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।

## दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराए स्कूल; जांच में जुटीं सुरक्षा एजेंसियां

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में फिर से गुरुवार को कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। उधर, सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने जांच शुरू कर दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह दिल्ली के तीन स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद इमरजेंसी एजेंसियों ने तुरंत स्कूलों को खाली कराया और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। इन स्कूलों को मिली धमकी वहीं, डीएफएस अधिकारी ने बताया कि हमें तीन स्कूलों को बम की धमकी मिलने की सूचना मिली है। द्वारका में सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और सेंट थॉमस स्कूल और पश्चिम एन्क्लेव में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल को धमकी मिली है। डीएफएस अधिकारी के अनुसार, फायर टेंडर और बचाव टीमों को तीनों स्कूलों में भेजा गया है और फिलहाल स्कूलों को खाली कराकर जांच करी जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अलर्ट मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम, बम डिस्पोजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों को स्कूलों में तैनात कर दिया गया।

## तो हम हर साल तालियां बजाते रहेंगे और दुनिया आगे निकलती जाएगी', एआई समिट के बीच मनीष सिसोदिया की सलाह

**नई दिल्ली।** दिल्ली में 5 दिवसीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन जारी है। इस दौरान देश-दुनिया की दिग्गज कंपनियों के मालिक इस समिट में पहुंचकर भारत में एआई के क्षेत्र में निवेश का वादा कर रहे हैं। इस बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए देश में एआई के भविष्य को किस तरह बेहतर बना सकते हैं, उसे लेकर सुझाव दिए। मनीष सिसोदिया ने लिखा है, 'आज जब अक पर हर तरफ बात हो ही रही है, तो सवाल को अक Summit में क्या हुआ, कौन बोला, कौन नहीं बोला से आगे बढ़ाना होगा।' सिसोदिया ने बताया क्या है असली सवाल वह आगे बोले, 'असली सवाल ये है कि देश एआई युग के लिए तैयार कैसे हो रहा है? स्टेज पर बड़े-बड़े भाषण हो रहे हैं, प्रेजेंटेशन चमकदार हैं, स्लाइड्स में भविष्य चमक रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि हमारे ज्यादातर स्कूलों में बच्चा आज भी 'कंप्यूटर क्लास' के नाम पर सिर्फ टाइपिंग सीख रहा है। वर्तमान परिस्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए सिसोदिया ने आगे कहा, 'अगर तैयारी सिर्फ समिट के मंच तक सीमित रही, तो हम हर साल तालियां बजाते रहेंगेङ्घ और दुनिया हर साल हमसे आगे निकलती जाएगी। एआई युग का भविष्य भाषणों से नहीं, बच्चों की क्लासरूम से तैयार होता है।'

## जमीन के बदले नौकरी केस में तेज प्रताप को राहत, अदालत में पेशी से मिली छूट

**नई दिल्ली।** जमीन के बदले नौकरी मामले में जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव को बड़ी राहत मिली है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृहस्पतिवार को मामले पर सुनवाई करते हुए तेज प्रताप यादव को फिजिकली पेश होने से छूट दी है, जब तक कि फिजिकली पेश होने का ऑर्डर न हो। कोर्ट में पेशी के दौरान तेज प्रताप यादव ने सीबीआई की ओर से दर्ज जमीन के बदले नौकरी केस में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है और केस लड़ने का फैसला किया है। क्या है मामला? जमीन के बदले नौकरी स्कैम एक कथित करप्शन का मामला है जिसमें पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। यह मामला उन आरोपों पर केंद्रित है कि उनके कार्यकाल (2004 2009) के दौरान, भारतीय रेलवे में ग्रुप-डी भर्ती में उम्मीदवारों को अपॉइंट करने में हेरफेर किया गया था, जिसके बदले में यादव परिवार को जमीन के टुकड़े गिफ्ट किए गए या बहुत कम दामों पर बेचे गए।

# जाम से मिलेगा छुटकारा, अब उड़कर पहुंचिए दफ्तर; लोगों ने देखी बिजली से चलने वाली हवाई टैक्सी

**दनई दिल्ली।** फ्तर जाने की जल्दी में टैक्सी या बाइक वालें को बार-बार कॉल करके पूछने से कई बार जवाब मिलता था कि उड़कर आ जाऊं क्या...। अब यह सच होने वाला है। क्योंकि तकनीक इतनी आगे जा चुकी है कि आने वाले वक्त में आप खुद कहेंगे सड़क से नहीं, हवा में उड़कर आ रहा हूं। दरअसल, भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई समिट में इस बार ऐसी उड़न गाड़ी दिखाई गई जिसने लोगों को हैरान कर दिया। हॉल नंबर चार में भीड़ के बीच एक छोटी, हल्की और पूरी तरह बिजली से चलने वाली हवाई टैक्सी का मॉडल प्रदर्शित किया गया। कंपनी का दावा है कि यह उड़न टैक्सी शहर के जाम को खत्म कर सकती है। सड़क से पहुंचने में जहां एक घंटा लगता है अब वहीं हवाई टैक्सी की सहायता से हवा में उड़कर गंतव्य तक पहुंचा जा सकेगा। स्टॉल पर मौजूद कंपनी की ब्रांड एवं डिजाइन एसोसिएट्स अनुष्का यादव ने बताया, कि यह हवाई टैक्सी आमतौर पर ट्रेफिक में फंसे रहने वाले एंबुलेंस की समस्या से भी निजात दिला सकता है। अनुष्का ने बताया, कि यह हवाई टैक्सी उन यात्रियों के लिए तैयार की

जा रही है जो शहर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक तेजी से पहुंचना चाहते हैं। भविष्य में इसका उपयोग आपातकालीन सेवाओं और माल ढुलाई के लिए भी किया जा सकता है। कैसी है यह हवाई टैक्सी? यह छोटी आकार की ऐसी उड़न मशीन है जो सीधे ऊपर उठ सकती है और सीधी नीचे उतर सकती है। इसे खास तौर पर शहरों के अंदर छोटी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए बनाया गया है। इस हवाई गाड़ी को जमीन पर उतरने के लिए सिर्फ 8.10 मीटर का क्षेत्र की जरूरत होती है। इसलिए इसे कम स्थान में उतरने और उड़ने की क्षमता प्राप्त है। वहीं, बार-बार चार्ज किए बिना यह टैक्सी सिर्फ एक चार्ज में 110 किलोमीटर तक की उड़ान भर सकती है। इसकी गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस टैक्सी में एक बार में 1 पायलट के साथ 2 यात्री बैठ सकते हैं। यह 200 किलोग्राम तक वजन उठाने में सक्षम है। इसके फायदे किसी तरह का धुआं या प्रदूषण नहीं कम जगह में उतरने और उड़ने की क्षमता तेज रफ्तार सफर सड़क के जाम से मुक्ति हवाई टैक्सी की खासियत जमीन पर जगह की जरूरतः 8 .10 मीटर का क्षेत्र उड़ान दूरीः 110 किलोमीटर अधिकतम गतिः 160 किलोमीटर प्रति घंटा वहन क्षमताः 1 पायलट + 2 यात्री या 200 किलोग्राम तक वजन किसने बनाई यह उड़न गाड़ी? यह परियोजना भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से जुड़ी एक कंपनी ने तैयार की है। कंपनी का लक्ष्य है कि शहरों में लोगों का सफर आसान और तेज बनाया जाए। कंपनी के पास इस तकनीक से जुड़े कई पेटेंट हैं और नागरिक महा निदेशालय से विशेष स्वीकृति भी मिल चुकी है।

# टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे की दूसरी बड़ी जीत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब श्रीलंका को हराया

**कोलंबो (एजेंसी)।** जिम्बाब्वे ने ब्रायन बेनेट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप मुकाबले में श्रीलंका को 6 विकेट हराकर दूसरी बड़ी जीत दर्ज की है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। जिम्बाब्वे के स्पिनरों के खिलाफ धीमी पिच पर बीच के ओवरों में श्रीलंका के बल्लेबाजों को परेशानी आई लेकिन टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मुकाबले में बृहस्पतिवार को मेजबान टीम ने 7 विकेट पर 178 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए सिकंदर रजा के नेतृत्व में जीत हासिल की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा (22) और पाथुम निसांका (62) ने 4.5 ओवर में 54 रन बनाए। बाएं हाथ के बल्लेबाज परेरा सहज नहीं दिखे लेकिन तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को उन्होंने दो चौके लगाए। वह हालांकि मुजरबानी के बाउंसर पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में शॉर्ट फाइन लेग पर ग्रीम क्रेमर को कैच दे बैठे। श्रीलंका के बल्लेबाजों ने पावरप्ले में एक विकेट पर 61 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद रनगति धीमी पड़ गई।

जिम्बाब्वे के स्पिनरों सिकंदर रजा, क्रेमर, रियान बर्ल और वेलिंगटन मसाकाजा ने मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। अगले चार ओवरों में सिर्फ 21 रन बने। इस बीच कुसल मेंडिस का विकेट भी गिरा जो 20 गेंदों में 14 रन ही बना सके। वहीं पिछले मैच में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने वाले निसांका ने 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। वह क्रेमर की गेंद पर रिवर्स स्वीप लगाने के प्रयास में टोनी मुनिनोगा को कैच दे बैठे। पवन रत्नायके ने 25 गेंद में 44 रन बनाये और ब्राड इवांस को 19वें ओवर में दो चौके और एक छक्का जड़कर श्रीलंका को 150 रन के पार पहुंचाया। आखिरी दो ओवरों में 30 रन बने।

# टी20 विश्वकप: जिम्बाब्वे से हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का पहला बयान आया सामने

**कोलंबो (एजेंसी)।** टी20 विश्व कप मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ हार के बाद श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। ब्रायन बेनेट के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा की 45 रन की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर अपराजेय रहते हुए ग्रुप की शीर्ष टीम के रूप में टी20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश किया। कठिन पिच पर जीत के लिए 179 रन के लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 182 रन बनाए। बेनेट 48 गेंद में 63 और रजा 26 गेंद में 45 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों टीमें ग्रुप बी से सुपर आठ में पहुंच चुकी है और लीग चरण में आस्ट्रेलिया को हराने वाली जिम्बाब्वे के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया है।

श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने कहा, 'हमारी शुरुआत काफी अच्छी रही और सच कहूं तो, मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया वह डिफेंड करने के लिए काफी अच्छा था। (मैच में) कुछ जगहें ऐसी थीं जहां हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे, लेकिन कुल मिलाकर मैं आज का स्कोर यही मानूंगा। मैं पथुम (निसांका) और पवन (रत्नायक) के खेलने के तरीके से बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि इस पिच पर (बैटिंग के हिसाब से) यह एक अच्छा टोटल था। प्लान हमेशा की तरह सिंपल था (बॉल से)। शुरुआत में विकेट लेना। बदकिस्मती से हम बॉल से वैसी शुरुआत नहीं कर पाए। नए खिलाड़ियों के आने से थोड़ी मुश्किल होती है, उन्हें भी सेट होने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन कोई बहाना नहीं। हम थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरे कुछ फैसले थोड़े गैंबल जैसे भी थे। यह उन दिनों में से एक था जहां हम बॉल से बेहतर कर सकते थे, लेकिन फिर से, कोई बहाना नहीं। क्वालिफिकेशन हमेशा अच्छा होता है, लेकिन हम जो भी मैच खेलते हैं, हम देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं। हां, हमने आज चमीरा को आराम दिया, लेकिन जैसा मैंने कहा, कोई बहाना नहीं। हमने तीनों डिपार्टमेंट में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि हम और बेहतर कर सकते थे। मुझे लगता है कि हमें मैदान पर और ज्यादा कॉन्फिडेंट होने की जरूरत है। आज हममें इसी की कमी थी। उम्मीद है कि अगली बार जब हम मैदान पर उतरेंगे तो बेहतर एटीट्यूड के साथ वापस आएंगे।'

# टी20 विश्व कप : होप और जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने इटली को 42 रनों से हराया

**कोलकाता (एजेंसी)।** कप्तान शाई होप और तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के अच्छे प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम लीग मुकाबले में इटली को 42 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही वेस्टइंडीज की टीम ग्रुप सी में नंबर एक पर बनी हुई है। वेस्टइंडीज ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए होप के 46 75 रनों की सहायता से 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन बनाये। आज के खेल का आकर्षण होप की पारी रही। होप ने तेजी से खेलते हुए 28 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया पर अन्य बल्लेबाजों का उन्हें साथ नहीं मिला, इस कारण टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से शामार जोसेफ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। इसके इसके अलावा चार कैच भी पकड़े। वहीं इस मैच के साथ ही इटली का अभियान इस टूर्नामेंट में समाप्त हो गया है। इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसन नहीं था। रोस्टन चेज 25 गेंद पर 24, शेरफेन रदरफोर्ड 15 गेंद पर नाबाद 24 रन और मैथ्यू फोर्डे आठ गेंद पर नाबाद 16 रन ही बना पाये। इटली के गेंदबाजों ने इंडीज बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। बेन मनेंटी और और कृशान कालुगामगे ने दो-दो विकेट लेकर बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। केव ग्रांट स्टीवर्ट के ही एक ओवर में 19 रन बने। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन ही बना पायी। एंथनी मोस्का ने 19 रन बनाये। वहीं उनके भाई जस्टिन मोस्का 02 रन ही बना पाये। सैयद नकवी भी 6 रन ही बना पाये। जेजे स्मट्स ने 27 गेंद में 24 रन जबकि कप्तान हैरी मैनेंटी ने 8 रन बनाये। इटली की आधी टीम 78 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद बेन मैनेंटी ने इटली को 100 रनों तक पहुंचाया। वहीं ग्रांट स्टीवर्ट 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

# ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 में भारतीय टीम को हराया

## 1-1 से सीरीज बराबरी पर पहुंची

**कैनबरा (एजेंसी)।** मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम को 19 रनों से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-1 से वापसी की है। ऑस्ट्रेलिय ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉर्जिया वोल के अर्धशतक 88 रनों और बेथ मूनी के 46 रनों की सहायता से 5 विकेट पर 163 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नौ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजी ढह गयी। कप्तान हरमनप्रीत कौर 36, स्मृति मंधाना 31 और शेफाली वर्मा 29 के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने 22 रन देकर तीन विकेट जबकि किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिनू ने दो-दो विकेट लिए।। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी और उसने नौवें ओवर में एक विकेट पर 65 रन बना लिए थे पर इसके बाद टीम ने अंत में सात रन के अंदर ही छह विकेट खो दिये। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पावरप्ले में ही 54 रन बना लिए थे पर इसके बाद शेफाली के आउट होने से बल्लेबाजी ढ़हनी शुरु हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स भी 4 रन ही बना पायी। मंधाना के रूप में तीसरा विकेट गिरा। भारतीय टीम ने तीन विकेट पर 71 रन बना लिए थे। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत और ऋचा घोष 19 ने चौथे विकेट के लिए 55 रन बनाये। बाद में तेजी से रन बनाने के प्रयास में विकेट एक के बाद एक गिरते गये। हरमनप्रीत को 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर गार्थ ने पेवेलियन भेजा। इसके बाद ऋचा भी गार्डनर की गेंद पर स्टंप आउट हो गईं। 18वें ओवर में गार्डनर ने दीप्ति शर्मा को सदरलैंड के हाथों कैच कराया। इसके बाद भारतीय पारी सिमट गयी।

# बांग्लादेश के नये खेलमंत्री अमीनुल बोले, भारत और बीसीसीआई से बेहतर संबंध चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश सरकार के नये खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि वह भारत के साथ ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी बेहतर बनाना चाहता है। खेल मंत्री की शपथ लेने के बाद हक ने कहा कि वह बीसीसीआई से संबंधों को फिर से पहले की तरह बनाना चाहते हैं। साथ ही कहा कि हाल में कुछ मामलों को लेकर दोनो ही देशों के बीच दूरियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, शपथ लेने के बाद मैंने भारत के डिप्टी हाई कमिश्नर से मुकाकात कर उनसे टी20 विश्व कप में भाग नहीं लेने के बाद के हालातों पर भी बात की जो सकारात्मक रही। मैंने उनसे कहा कि हम इस मामले को बातचीत से हल करना चाहते हैं। हम सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। हक ने कहा, खेल के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। कुछ बाधाओं के कारण, हम टी20 विश्व कप नहीं खेल सके। बातचीत के दौरान इस प्रकार के मामलों को हाल किया जाता तो आज हमारी टीम भी विश्वकप में खेल रही होती। गौरतलब है कि बांग्लादेश की पिछली सरकार ने सुरक्षा कारणों से भारत में टीम भेजने से इंकार करते हुए कहा था कि उनके मैच श्रीलंका में रखे जाएं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बोर्ड (आईसीसी) ने ये प्रस्ताव ठुकरा दिया था। जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी सरकार से बात करने के बाद खेल से बाहर होने का फैसला किया था।

# हरमनप्रीत सबसे अधिक अंतराष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनीं, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रिकार्ड टूटा

कैनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक रिकार्ड बना दिया है। अब हरमनप्रीत महिला क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हरमनप्रीत ने यहां मैदान पर उतरने के साथ ही अपना 356 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और वह न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स से आगे निकल गयी हैं।। बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। वहीं सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी हैं। पेरी के नाम पर 349 मैच हैं। वहीं भारतीय टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि शार्लोट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। महिला क्रिकेट में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में न्यूजीलैंड सोफी डिवाइन के नाम 305, इंग्लैंड की हीथर नाइट के नाम 303 और डैनी व्याट-हॉज के नाम 302 मैच हैं। हरमनप्रीत ने अपने क्रिकेट करियर में अब तक छह टेस्ट, 161 एकदिवसीय और 189 टी20 मैच खेले हैं। छह टेस्ट मैचों में उनके नाम 200 रन जबकि एकदिवसीय में 4,409 और टी20 मैचों में 3,784 रन हैं। हरमनप्रीत ने सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनका लक्ष्य के लिए आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा।

# सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं। सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता। टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये। इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओसा काफी अधिक थी। जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई। उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है। इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था। जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं। अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।'

# 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है', दिग्गज खिलाड़ी ने की भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शिवम दुबे के बल्ले और गेंद दोनों से ऑल-राउंड प्रदर्शन की बदौलत भारत ने अहमदाबाद में नीदरलैंड्स को 17 रन से हराकर आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए में टॉप कर रहे। स्टार स्पोर्ट्स के 'क्रिकेट लाइव' प्रोग्राम में बोलते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट सुनील गावस्कर ने दुबे के बेहतर शॉट सिलेक्शन, वरुण चक्रवर्ती के अहम स्पेल की तारीफ की और टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा के खराब फॉर्म पर अपने विचार शेयर किए।

गावस्कर ने उस एक शॉट की ओर इशारा किया जो शिवम दुबे के खेल को दूसरे लेवल पर ले जा सकता है। उन्होंने कहा, 'शिवम दुबे को बॉलिंग करना बहुत मुश्किल है क्योंकि उनके पास कई तरह के शॉट हैं। आप ऑफ स्टंप के बाहर बॉलिंग कर सकते हैं, लेकिन उनमें लॉन्ग ऑन के ऊपर से हिट करने की पावर भी है। वह सिर्फ मिड-विकेट और स्क्वायर-लेग के ऊपर से हिट करने की कोशिश नहीं करते। वह लॉन्ग ऑफ को भी क्लियर कर सकते हैं। अगर वह एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट डेवलप करने पर कड़ी मेहनत करते हैं, तो वह सच में एक खतरनाक बैट्समैन बन जाएंगे।'

उन्होंने कहा, 'फिर वह बॉल को ग्राउंड के किसी भी हिस्से में हिट कर सकते हैं। जिस तरह से शिवम दुबे हर इनिंग के साथ मैच्योर हो रहे हैं, वह इंडिया के लिए बहुत अच्छी खबर है।' मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के शानदार रन पर उन्होंने कहा, 'वरुण चक्रवर्ती के चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेना कमाल का है। जब आप विकेट लेते हैं, तो आप विरोधी टीम के रन भी छीन लेते हैं। साफ है, वरुण आपके की बॉलर होंगे। इंडिया काफी हद तक वरुण के 4 ओवर पर डिपेंड करेगा। सुपर 8 स्टेज में विरोधी टीम उनका मुकाबला कैसे करती है, यह देखना बहुत इंटरेस्टिंग होगा।'

सबसे छोटे फॉर्मेट के नंबर 1 बैटर अभिषेक शर्मा अभी तक टूर्नामेंट में अपना खाता नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तीन इनिंग्स में एक भी रन नहीं बनाया है। अभिषेक शर्मा के स्ट्रगल पर गावस्कर ने कहा, 'अभिषेक शर्मा एक अच्छा लड़का है, लेकिन उम्मीदें उस पर भारी पड़ रही हैं। अगर उसने USA के खिलाफ अच्छी शुरुआत की होती, तो बात अलग होती। अब बड़े छक्के मारने वाला और टॉप बैटर होने का प्रेशर दिख रहा है। अपनी शॉट रेंज के साथ उसे बीच में समय बिताने की जरूरत है। वह अपनी इनिंग्स की पहली बॉल पर बाउंड्री या सिक्स मारने की कोशिश नहीं कर सकता।'

उन्होंने कहा, 'अगर बड़े शॉट लगते हैं, तो ठीक है। लेकिन उसे खुद को लाइन के पार बड़े शॉट खेलने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। एक सिंगल लो और रन बना लो। चार डॉट बॉल भी मायने नहीं रखतीं। वह बाद में उनकी भरपाई कर सकता है। उसे शुरुआत में स्मार्ट खेलने की जरूरत है। एक या दो ओवर जमने में बिताओ, फिर अपना नैचुरल गेम खेलो। पहले, बस रन बनाओ। हर बैटर पहला रन चाहता है। एक बार जब वह इसे बना लेगा, तो सब कुछ ठीक हो जाएगा।'

# तीन मैच पॉइंट बचा कर गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुंची

दुबई। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6(9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया। गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, 'पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है। यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।' गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें। यह ड्रॉ लेवल पर उनके बीच पहली मुलाकात होगी।

# टी20 विश्वकप से शुरुआत में बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक दावेदारी को भी झटका

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक की दावेदारी भी कमजोर पड़ी है। ओलंपिक में पुरुषों की टी20 प्रतियोगिता में केवल छह टीमों को ही अवसर मिलेगा। इसमें अंतिम चयन कॉन्टिनेंटल क्वालिफिकेशन सिस्टम व आईसीसी रैंकिंग के आधार पर होगा। विश्व कप से बाहर होने से वह रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड से पिछड़ रही है। ऐसे में उसकी जगह कीवी टीम को मिल सकती है। ऐसे ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप स्तर से ही बाहर होने से न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम की राह आसान हो गयी है। ऐसे में अब अगर कीवी टीम सेमीफाइनल या उससे आगे तक पहुंचती है, तो रैंकिंग में वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर पहुंच जाएगी। इससे उससे ओलंपिक के लिए प्रवेश मिल सकता है। कीवी टीम का आईसीसी इवेंट्स में रिकॉर्ड अच्छा रहा है, वे कई बार नॉकआउट चरण तक पहुंचे हैं जिससे उनकी दावेदारी और मजबूत होती है। ऐसे में यदि रैंकिंग में न्यूज़ीलैंड आगे निकल जाता है, तो कंगारुओं को को अंतिम ओलंपिक स्लॉट के लिए दूसरी रैंक वाली टीमों के साथ अलग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट खेलना पड़ सकता है जो उसकी प्रतिष्ठा के लिए झटका होगा। इसके अलावा इस क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में अगर वह शीर्ष पर रहती है तो भी उसे ओलंपिक में प्रवेश मिलेगा इसकी गारंटी नहीं रहेगी।

# अभिषेक पर भड़के प्रशंसक, बोले इससे तो अधिक रन सैमसन बना रहे थे

अहमदाबाद। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का खराब दौर समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। अभिषेक टी20 विश्वकप में अपने तीसरे मैच में भी खाता नहीं खो पाये। इससे प्रशंसक उनपर भड़क गये हैं। प्रशंसकों का कहना है कि संजू सैमसन के भी उनसे अधिक रन हैं। सैमसन को अपनी खराब फार्म के कारण ही अभिषेक की वापसी के बाद बाहर किया किया गया है पर जिस प्रकार से अभिषेक रन बनाने में विफल हुए हैं। उससे ये बदलाव कारगर साबित नहीं हुआ है। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलेंगे पर जब तीसरे मुकाबले में भी ऐसा नहीं हुआ तो उनके सब्र का बांध टूट गया। जिस तूफानी बल्लेबाजी की उम्मीद प्रशंसकों को थी। वह अब भी नहीं दिखी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अभिषेक की जमकर खिंचाई हुई। प्रशंसकों ने तंज कसा कि इससे तो अधिक रन सैमसन के हैं। वहीं कुछ प्रशंसकों का मानना है कि सुपर-8 के लिए सैमसन को टीम में शामिल किया जाना चाहिये। सैमसन को अभिषेक के बीमार होने के कारण एक मैच में अवसर मिला था। उस मुकाबले में सैमसन ने 22 रन बनाए थे। अभिषेक का यह पहला ही टी20 विव कप है और उनसे इस तरह के प्रदर्शन की प्रशंसकों को उम्मीद नहीं थी। वह पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ विफल रहे। वहीं बीमार होने के कारण नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल पाए। पाकिस्तान के खिलाफ उनसे बड़े स्कोर की उम्मीद थी पर वह असफल रहे। नीदरलैंड के खिलाफ मैच में भी उनका खाता नहीं हुआ। अब अगर वह सुपर-8 में रन नहीं बनाते तो टीम में उनकी जगह खतरे में आ जाएगी।

# 'बहुत शुक्रगुजार हूं', न्यूजीलैंड की लॉरेन डाउन ने संन्यास का किया ऐलान

**वेलिंगटन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)।** न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर लॉरेन डाउन ने गुरुवार को क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। 30 साल की बैटर ने 4 मार्च 2018 को लिंकन में वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे मैच में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 9 फरवरी 2020 को वेलिंगटन में साउथ अफ्रीका विमेन के खिलाफ अपना टी20आई डेब्यू किया था। उन्होंने अपना आखिरी ODI मैच 23 दिसंबर 2024 को वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए टी20आई में अपना आखिरी मैच 7 दिसंबर 2022 को क्वीन्सटाउन में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी एक बयान में डाउन ने कहा, 'मुझे व्हाइट फर्न्स ग्रुप का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, और मैं अपने देश को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलने के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। मुझे लड़कियों के साथ रहना याद आएगा, लेकिन अब मैं साइडलाइन से देखने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि यह ग्रुप क्या हासिल कर पाता है।' लॉरेन डाउन ने 35 ODI और 31 इनिंग खेलीं जिसमें उन्होंने 62.06 के स्ट्राइक रेट से 486 रन बनाए। दाएं हाथ की बैट्समैन ने तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। टी20आई में 30 साल की इस खिलाड़ी ने 13 मैच और 9 इनिंग में 86.11 के स्ट्राइक रेट से 93 रन बनाए।

डाउन ने कहा, 'मेरे क्रिकेट करियर का एक बड़ा हिस्सा ऑकलैंड सेटअप में रहा है और मैं ऑकलैंड क्रिकेट, अपने कोच और टीम के साथियों को मेरे सफर में उनके रोल के लिए जितना धन्यवाद दूं कम है।' डाउन पांच सफल हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड कैंपेन का हिस्सा थीं जिसमें उन्होंने ऑकलैंड हार्ट्स को 2011-12, 2014-15, 2015-16, 2017-18 और हाल ही में 2019-20 में महिलाओं का 50 ओवर का टाइटल जीतने में मदद की, जहां उन्होंने हैमिल्टन के सेडन पार्क में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स को 67 रन से हराने में मदद करने के लिए ग्रैंड फाइनल में 90 रन बनाए।

डाउन ने अपने करियर का अंत हार्ट्स की तीसरी सबसे ज्यादा टी20 रन बनाने वाली (1,496 रन) और चौथी सबसे ज्यादा लिस्ट, रन बनाने वाली (2,690 रन) खिलाड़ी के तौर पर भी किया और एक ऑलराउंडर के तौर पर अपने शुरुआती दिनों में 41 विकेट लिए। अंगूठे की चोट की वजह से डाउन न्यूजीलैंड में 2022 ICC विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप में नहीं खेल पाईं और उसी साल बाद में बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी नहीं खेल पाईं, लेकिन सितंबर 2022 में वेस्ट इंडीज टूर के लिए टीम में वापस आ गईं और साउथ अफ्रीका में 2023 आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए बेन सॉयर की टीम में शामिल हो गईं।

डाउन ने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए 2023-24 सीजन के लिए व्हाइट फर्न्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर निकलने का ऑप्शन चुना, फिर 2024-25 लिस्ट में वापस आ गईं और 2024 में इंग्लैंड और भारत के टूर पर शामिल हुईं। उन्होंने पिछली गर्मियों में सेलो बेसिन रिजर्व में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे ODI में व्हाइट फर्न्स को आखिरी बार रिप्रेजेंट किया।

## अनिल कपूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर का पद ठुकराया?

**अनिल कपूर की फिल्म 'नायक' साल 2001 में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने काफी सराहा था। फिल्म में अनिल कपूर एक पत्रकार की भूमिका में थे, जिसे एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिलता है।असल जिंदगी में भी अनिल कपूर को एक खास पद पर काम करने का मौका मिला था, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया।**

### यूएन का ऑफर ठुकराया?

हाल ही बातचीत में अनिल कपूर कहते हैं, 'जब मुझे डैनी बॉयल की फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर(2008)' के कारण इंटरनेशनल लेवल पर पॉपुलैरिटी मिली तो यूएन की तरफ से एक सिंबॉलिक पोजिशन पर काम करने का ऑफर आया। लेकिन मैं इसे एक फोटो खींचवाने वाली जॉब की तरह नहीं करना चाहता था। मैं नहीं चाहता था कि लोग चार फोटो लें और मैं कुछ काम ना करूं। वैसे भी मेरी इतनी सारी प्रायोरिटीज हैं कि मुझे नहीं लगता कि यूएन वाला काम कर पाता। मैं बिना दिखावा किए सिर्फ वही काम करता हूं, जो मैं कर सकता हूं। मुझसे कहीं बेहतर लोग हैं जो राज्यसभा और लोकसभा में होने के लायक हैं।'

### ओटीटी पर आएगी अनिल की 'सूबेदार'

हाल ही में अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' का टीजर रिलीज हुआ। यह 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल फैंस अनिल कपूर को नए अवतार में देखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर के खाते में कई फिल्में शामिल हैं। 'सूबेदार' के अलावा उनकी आगामी फिल्मों और सीरीज में 'अल्फा', 'किंग' और 'फैमिली बिजनेस' शामिल हैं। इसके अलावा उनके 'नायक 2' बनाने की भी चर्चाएं हैं। हाल ही में अनिल कपूर अपनी बेटी सोनम कपूर के बेबी शॉवर में नजर आए थे।

## डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, इस थीम पर कृतिका कामरा और गौरव कपूर करेंगे शादी

क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर औ कृतिका कामरा जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी की खबरें बीते दिनों से सुर्खियों में थी। अब खबर है कि जल्द ही गौरव और कृतिका शादी करने वाले हैं। साथ ही दोनों ने शेयर भी किया है कि वे कैसी शादी करना चाहते हैं।

### सादगी भरी होगी शादी

कृतिका कामरा और गौरव कपूर मार्च में अपने जीवन में नई शुरुआत करने वाले हैं। लेकिन उन्होंने बड़ी और आलीशान डेस्टिनेशन वेडिंग की जगह एक मॉडर्न और मिनिमलिस्ट शादी करने का फैसला किया है। दोनों अपनी शादी की तैयारियों में खुद पूरी तरह शामिल हैं। हर छोटी-बड़ी चीज को सोच-समझकर प्लान किया जा रहा है। उनका मकसद दिखावे से दूर रहकर एक सादगी भरी शादी करना है।

### मुंबई में होगी शादी

कृतिका और गौरव अपनी सादगी भरी सोच के लिए जाने जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी शादी उनके असली व्यतित्व को दिखाए। मॉडर्न और एलिगेंट अंदाज को अपनाने का फैसला उन्होंने किसी ट्रेंड की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पसंद और सोच के मुताबिक लिया है। कपल के एक करीबी सूत्र ने बताया, 'कृतिका और गौरव के लिए शादी का मतलब बड़ा आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अहमियत है। उन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग छोड़कर मुंबई में एक सादी, मॉडर्न और इंटिमेट शादी करने का फैसला किया है। वे चाहते हैं कि यह जश्न उनकी पर्सनालिटी के हिसाब से हो। शादी के लिए हर डिटेल पर खास ध्यान दिया जा रहा है। सजावट से लेकर स्टाइलिंग तक, सब कुछ उनकी पसंद और पर्सनालिटी को दर्शाएगा।' जानकारी के मुताबिक, शादी का माहौल बेहद एनर्जी भरा और अपनापन लिए होगा। सजावट और पूरे सेटअप सादगी से भरा होगा, ताकि पूरे कार्यक्रम में अपनापन महसूस हो।

## स्वयंभू के टीज़र में सम्युक्ता के वॉरियर अवतार ने मचाया तहलका

अपनी पिछली फिल्मों की कामयाबी पर सवार सम्युक्ता ने स्वयंभू के टीज़र में ऐसा पावरफुल इम्पैक्ट छोड़ा है कि नज़र हटाना मुश्किल हो जाए। इस बार वो नज़र आती हैं एक भयंकर योद्धा के रूप में, जो अफरातफरी को चीरते हुए पूरे कॉन्फिडेंस और इंटेंसिटी के साथ आगे बढ़ती है। गूंथी हुई चोटी, युद्ध के लिए तैयार तेवर, और रफ-टफ योद्धा वेशभूषा में सम्युक्ता कच्ची ताकत और अटूट इरादे का प्रदर्शन करती दिखती हैं। उनका किरदार शब्दों से नहीं, एक्शन से बोलता है और हर फ्रेम ये इशारा देता है कि वो अपने करियर के सबसे साहसी क्रिएटिव फेज़ में कदम रख चुकी हैं। ये भूमिका इसलिए भी खास लगती है क्योंकि इससे पहले उनका परफॉर्मेंस ट्रैक रिकॉर्ड बेहद मजबूत रहा है। भीमला नायक में उन्होंने अपनी दमदार मौजूदगी से सबको प्रभावित किया, बिम्बिसार में पौराणिक दुनिया को एक्सप्लोर किया, विरुपाक्ष में थ्रिल का तड़का लगाया और सर में जमीन से जुड़ा अभिनय पेश किया। अब स्वयंभू में ऐसा लगता है जैसे इन सभी अनुभवों का संगम दिख रहा हो और सम्युक्ता खुद का और भी ताकतवर संस्करण बनकर सामने आई हों। टीज़र में वो एक निडर और बेखौफ योद्धा के रूप में दिखती हैं, जो जेंडर की तय सीमाओं को चुनौती देते हुए तीखे एक्शन सीक्वेंस में कमान अपने हाथ में लेती है। कभी धनुष-बाण साधती हुई, तो कभी तलवार लहराती हुई — हर सीन इस बात का सबूत है कि इस किरदार के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और तैयारी की है। सम्युक्ता कहती हैं, स्वयंभू मेरे दिल के बेहद करीब है क्योंकि मैंने हमेशा ऐसे किरदार चुने हैं जो मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाएं। इस भूमिका ने मुझे शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर ऐसी चुनौती दी जैसा पहले कभी महसूस नहीं किया। एक गांव की महिला की आत्मा और शक्ति को समझने से लेकर घुड़सवारी और तीरंदाजी की कड़ी ट्रेनिंग तक, ये सफर बेहद गहन और परिवर्तनकारी रहा। इस किरदार में वो सब कुछ है जिसका एक अभिनेता सपना देखता है — ताकत, संवेदनशीलता और एक मजबूत आवाज। इस उग्र योद्धा रूप में ढलना मेरे करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक रहा है। स्वयंभू के अलावा भी सम्युक्ता के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइनअप में हैं, जहां वो अपनी बढ़ती रेंज दिखाती नजर आएंगी। जल्द ही वो ब्लैक गोल्ड में एक सशक्त पुलिस अधिकारी के रूप में फिल्म को लीड करेंगी और साथ ही पुरी जगन्नाध की स्लम डॉग में विजय सेतुपति और तब्बू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखाई देंगी।

## 300 करोड़ है रणवीर सिंह की 'प्रलय' का बजट

रणवीर सिंह ने अपनी हालिया फिल्म 'धुरंधर' से बहुत बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। अब रणवीर सिंह अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह एक जॉम्बी ड्रामा फिल्म है, जो उनके करियर की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है, जिसका बजट करोड़ों में है।

### क्या है प्रलय का बजट?

एक खबर के अनुसार, इस फिल्म का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह रणवीर सिंह की अब तक की सबसे महंगी सोलो फिल्म हो सकती है। इसमें स्क्रिप्ट से लेकर वीएफएक्स (विजुअल इफेक्ट्स) तक हर चीज में शामिल है। उन्होंने बैकएंड प्रॉफिट-शेयरिंग डील भी की है।

### किस पर आधारित होगी फिल्म 'प्रलय'

फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता के बेटे जय मेहता कर रहे हैं। कहानी कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया, जॉम्बी थ्रिलर, बड़े एक्शन और परिवार की भावनात्मक कहानी होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ मुख्य अभिनेत्री के रोल में कल्याणी प्रियदर्शन नजर आ सकती हैं, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग मई या जून 2026 में शुरू होने की उम्मीद है।

### 'धुरंधर 2' में नजर आएंगे रणवीर

रणवीर की 'धुरंधर 2' जल्द ही सिनेमाघरों में आने वाली है। यह 19 मार्च को रिलीज होगी, जिसमें पहले हिस्से के कलाकार वापस आएंगे और यह और भी बड़े पैमाने पर बनी है। इसी दिन कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज होगी।

## 'लैला मजनू' की तर्ज पर 'हीर रांझा' बनाएंगी एकता कपूर

14 फरवरी 'वैलेंटाइन डे' पर फिल्म निर्माताओं ने 'हीर रांझा' की खास झलक शेयर की है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध फिल्म निर्माता इम्तियाज अली के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। एकता कपूर ने अपनी नई फिल्म 'हीर रांझा' की एक खास झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कैप्शन में लिखा, 'कुछ प्रेम कहानियां कभी नहीं मरतीं।' आगे एकता ने लिखा, ''लैला मजनू' से लेकर 'हीर रांझा' तक की प्रेम कहानियों की विरासत जारी है।' इस फिल्म के प्रस्तुतकर्ता इम्तियाज अली है। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज के छोटे भाई साजिद अली करेंगे। फिल्म का निर्माण शोभा कपूर, एकता कपूर और प्रीति अली बालाजी मोशन पिक्चर्स और पी फिल्म के तहत करेंगे। फिल्म की इस झलक को देखकर यूजर्स काफी उत्साहित हैं और मांग कर रहे हैं कि लैला मजनू की तरह इस फिल्म में भी तृप्ति डिमारी और अविनाश तिवारी को ही कास्ट किया जाए।

## सही समय और सही जीवनसाथी का इंतजार

**मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी शादी की खबरों को लेकर भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि, शादी की खबरों पर मृणाल इनकार कर चुकी हैं। जबकि धनुष के साथ रिश्ते पर भी दोनों स्टार्स में से किसी ने भी खुलकर कुछ नहीं कहा है। अब मृणाल का कहना है कि वो शादी की योजना बना चुकी हैं।**

बातचीत में मृणाल ने कहा है कि शादी निश्चित रूप से उनकी योजनाओं का हिस्सा है, लेकिन तभी जब समय और जीवनसाथी सही लगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने जीवन में सही साथी के आने का इंतजार कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी अभिनेता धनुष के साथ उनके रोमांटिक संबंधों की अफवाहों को खारिज करने के कुछ ही समय बाद आई है। अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा कि वह एक दिन शादी करना चाहती हैं। जब सही दिन और सही जीवनसाथी मिलेगा, तो मैं खुद सोशल मीडिया पर इस खबर की घोषणा करूंगी।

### शादी को लेकर बदले लोगों के विचार

अभिनेत्री का मानना है कि समय के साथ लोगों का शादी को लेकर विचार भी काफी बदल गया है। एक्ट्रेस ने कहा कि आज लोग सामाजिक अपेक्षाओं या दबाव के बजाय सच्चे जुड़ाव के कारण शादी का चुनाव करते हैं। पहले शादी के पीछे अलग-अलग कारण हो सकते थे, लेकिन अब यह सही व्यक्ति के साथ रहने की इच्छा के बारे में है।

### पिछले साल से चल रहीं धनुष मृणाल के अफेयर की खबरें

पिछले कुछ वक्त से मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं। पिछले दिनों तो ये भी खबरें आई थीं कि मृणाल और धनुष 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर ही शादी भी कर सकते हैं। हालांकि, इन खबरों को मृणाल ने यह कहते हुए खारिज किया था, 'शादी की तारीख तक आ गई और मुझे इनवाइट भी नहीं किया गया।' हालांकि, मृणाल और धनुष के रिश्ते की आधिकारिक तौर पर पुष्टि कभी नहीं हुई, लेकिन पिछले साल उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में शामिल होने के बाद अटकलें शुरू हो गईं। बाद में 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर उनके धनुष को गले लगाने के वीडियो ने अफवाहों को और हवा दी।

### 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

मृणाल ठाकुर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस रोमांटिक लव स्टोरी में वो सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। रवि उदयवार द्वारा निर्देशित और संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में आदिवी शेष के साथ रोमांटिक-एक्शन थ्रिलर 'डकैत' भी है। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।